सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सफाई कार्य में लापरवाही पर सफाई कर्मी निलंबित, विभागीय जांच के पेज: 4

अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 140 | मंगलवार 25 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मनुस्मृति पर राहुल के बयान से सीएम योगी आगबबूला, बोले- यह भारत की विरासत का अपमान

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मनुस्मृति पर दिए गए बयानों को लेकर उन पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को राहुल गांधी से बहुत कम उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में, मैं रायबरेली के सांसद राहुल गांधी का एक बयान पढ़ रहा था। उन्होंने महाराष्ट्र में कहा था कि महिलाओं को मनुस्मृति की बेड़ियों से आजाद होकर बाहर आना चाहिए। राहुल गांधी, देश को आपसे बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। लेकिन भारत की संसद में विपक्ष के नेता के तौर पर, देश आपसे लोकतंत्र के प्रति जवाबदेह होने की उम्मीद करता है। क्या आप भारत की परंपराओं और विरासत की आलोचना करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं? योगी ने यह बात स्वतंत्रता सेनानी राणा बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही।

तुर्स्प की धमकी के बीच अचानक रूस पहुंचे जयशंकर का धमाका, पुतिन को दिया मोदी का सीक्रेट मैसेज!

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। उन्होंने रूसी नेता तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं और एक निजी संदेश पहुंचाया। रूस की दो दिन की यात्रा पर रविवार को मॉस्को पहुंचे जयशंकर ने राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। यह मुलाकात 12-13 सितंबर को ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन की नई दिल्ली यात्रा से पहले हुई है। यह बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत और रूस कई क्षेत्रों में अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। पीएम मोदी एससीओ समिट में पुतिन से मिलने के लिए उत्सुक हैं बैठक के दौरान,

जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच सहयोग का एक मजबूत आधार है। उन्होंने व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु सहयोग और अन्य क्षेत्रों में बढ़ते आर्थिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमारे आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु और अन्य पहलुओं पर विस्तार से बात करके मुझे खुशी होगी। कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि हमारे आर्थिक सहयोग में काफी वृद्धि हुई है। जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की है और वे पुतिन को

उन्होंने व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु सहयोग और अन्य क्षेत्रों...

बैठक के दौरान, जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच सहयोग का एक मजबूत आधार है। उन्होंने व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु सहयोग और अन्य क्षेत्रों में बढ़ते आर्थिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा मुझे लगता है

इसके नतीजों के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पीएम मोदी एससीओ समिट में पुतिन से मिलने और बीआरआईसी समिट के लिए भारत में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी एससीओ समिट में आपसे मिलने, फिर बीआरआईसी समिट के लिए भारत में आपका स्वागत करने और समय आने पर, आपकी आपसी सुविधा के अनुसार, वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि हम सहयोग की एक बहुत मजबूत तस्वीर पेश कर सकें। जयशंकर और रूस के डिप्टी पीएम ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर चर्चा की इससे पहले, जयशंकर ने रूस के पहले डिप्टी प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत-रूस साझेदारी की समीक्षा की। मॉस्को पहुंचे जयशंकर रूस के दो दिवसीय दौरे पर हैं। मंतुरोव के साथ संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा भारत-रूस साझेदारी ने लगातार मजबूती और परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता दिखाई है। उन्होंने कहा जटिल अंतरराष्ट्रीय हालात के बावजूद, हमारा जुड़ाव गहरा होता गया है। यह हमारे आपसी हितों और भरोसे को दशार्ता है, जो हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की पहचान हैं। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे।

महिला आरक्षण पर बीजेपी किसे बना रही मूर्ख? संजय राउत ने फडणवीस को घेरा

महाराष्ट्र एजेंसी: शिवसेना (यूटीबी) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला किया। फडणवीस ने महिला आरक्षण बिल के समर्थन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की थी। राउत ने कहा कि यह कानून 2023 में ही पास हो चुका है और अगर कोई पाखंड कर रहा है, तो वह बीजेपी है। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि महिलाओं के आरक्षण या महिला नीतियों को लेकर कौन पाखंड कर रहा है? देवेंद्र फडणवीस को खुद से यह सवाल पूछना चाहिए। उन्हें थोड़ा और अध्ययन करने की जरूरत है; ऐसा लगता है कि आजकल उनकी

जानकारी कम पड़ रही है। राउत ने बताया कि फडणवीस ने पहले 2023 में संसद में आरक्षण कानून पारित होने की तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि यही देवेंद्र फडणवीस थे जिन्होंने ऐसा किया था! अगर आरक्षण या महिला सशक्तिकरण का बिल 2023 में ही पारित हो गया था, तो उसी बिल को दोबारा लाकर आप किसे बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं? राउत ने दावा किया कि महिला आरक्षण बिल को लागू करने के साथ परिसीमन बिल (डिलिमिटेशन बिल) को जोड़ना संवैधानिक नियमों और संसदीय नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही बिल को इस तरह से दोबारा कैसे पेश किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी ने भी कभी महिला आरक्षण बिल का विरोध नहीं किया है। अगर कोई महिला आरक्षण को लेकर पाखंड, नाटक और झूठ का सहारा ले रहा है, तो वह भारतीय जनता पार्टी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह हैं। राउत ने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में पास हो गया था, और हम बस यही कह रहे हैं कि उस बिल को लागू किया जाए। लेकिन अब, उन्होंने इसमें 'परिसीमन' (डिलिमिटेशन) का क्लॉज जोड़ दिया है। यह संविधान और संसदीय नियमों के खिलाफ है। एक ही बिल दो बार कैसे पास किया जा सकता है? फडणवीस ने रविवार को दावा किया

चिराग पासवान ने आरक्षण को बताया संवैधानिक अधिकार, बोले: दुनिया की कोई ताकत इसे खत्म नहीं कर सकती

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि आरक्षण एक संवैधानिक अधिकार है जिसे कोई भी अथॉरिटी खत्म नहीं कर सकती। उनका यह बयान जंतर-मंतर पर हुए 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' के जवाब में आया, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने जाति-आधारित कोटा खत्म करने की मांग की थी। पत्रकारों से बात करते हुए पासवान ने कहा कि क्या आरक्षण कोई ऐसी चीज है जिसे सिर्फ.इसलिए खत्म किया जा सकता है क्योंकि किसी ने ऐसा कह दिया? यह एक संवैधानिक अधिकार है। आरक्षण कोई खैरात नहीं है जो किसी को बांट दी जाए; यह एक संवैधानिक अधिकार है और दुनिया की कोई भी ताकत इसे खत्म नहीं कर सकती। उन्होंने उन लोगों की

आलोचना की जो आरक्षण व्यवस्था में सुधार या समीक्षा करना चाहते हैं, और कहा कि वे इसकी जरूरत को नहीं समझते। पासवान ने दलितों के साथ हो रहे भेदभाव का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस मंच पर खड़गे के साथ जो हुआ, उसे देखिए। उनके जाने के बाद मंच को शुद्ध किया गया था, है ना? आज भी, एक दलित युवक को घोड़े पर चढ़ने से रोका जाता है; एक दलित लड़के को शादी की बारात निकालने से रोका जाता है। जब बड़े नेता मंदिर जाते हैं, तो कभी-कभी परिसर को गंगाजल से धोया जाता है। तो, यह भेदभाव बना हुआ है, है ना? और ये वही अनुसूचित जातियां हैं जो छुआछूत की शिकार रही हैं। भेदभाव आज भी मौजूद है... मैं पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि जब तक मैं यहां हूं और जब तक राम विलास पासवान के बेटे चिराग पासवान सरकार का हिस्सा हैं, मैं कभी भी इस व्यवस्था को कमजोर नहीं होने दूंगा। शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' के तहत विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे और जाति-आधारित आरक्षण व्यवस्था में बड़े बदलाव की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि शिक्षा और रोजगार में कोटा सामाजिक या जातिगत पहचान के बजाय पूरी तरह से आय के आधार पर तय किया जाए। उन्होंने एक परिवार, एक आरक्षण नीति और यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के 2026 के जाति-समानता निदेशों को तुरंत वापस लेने की भी वकालत की। प्रदर्शन के जवाब में, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस और केंद्रीय बलों को तैनात किया गया था।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में धांधली की गूंज, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और झारखंड सरकार को भेजा नोटिस

झारखंड एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र, झारखंड सरकार और अन्य को एक पीआईएल पर नोटिस जारी किया। इस पीआईएल में झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 में कथित अनियमितताओं की सीबीआई या स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन की याचिका पर राज्य सरकारों से जवाब मांगा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर वकील मनन कुमार मिश्रा ने बेंच को बताया कि छात्र परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। सुनवाई के दौरान, सीजेआई ने याचिका में बताए गए एग्जाम के बारे में साफ जानकारी मांगी। सीजेआई ने पूछा कई एग्जाम? मिश्रा ने साफ किया कि मामला झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन के एग्जाम से जुड़ा

है, साथ ही उन्होंने स्टाफ सिलेक्शन एग्जाम का भी ज़िक्र किया। मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि या तो सीबीआई से जांच कराई जाए या फिर सुप्रीम कोर्ट के किसी पूर्व जज से जांच करवाई जाए। हालांकि, सीजेआई ने कहा कि इन आरोपों के लिए किसी रिटायर्ड जज से जांच कराने के बजाय एक प्रॉपर इन्वेस्टिगेशन की जरूरत है, क्योंकि इसमें फोरेंसिक जांच और जांच के दूसरे जरूरी कदम उठाने पड़ सकते हैं। सीजेआई ने कहा कोई पूर्व जज कैसे? ये सिर्फ. पूछताछ या जांच-पड़ताल नहीं है। यह एक इन्वेस्टिगेशन है। इसमें फोरेंसिक जांच या ऐसी ही दूसरी चीजों की जरूरत पड़ सकती है। ये सभी काम कोई एजेंसी ही कर सकती है। वकील सत्यम सिंह राजपूत के जरिए दायर याचिका में एग्जाम को रद्द करने और दोबारा एग्जाम कराने की मांग की गई थी। याचिका में एग्जाम के आयोजन और मूल्यांकन में गंभीर गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था।

सीजेपी का बड़ा ऐलान: सरकार पर 'धोखाधड़ी' का आरोप, 5 सितंबर को दिल्ली में मार्च

नई दिल्ली एजेंसी: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकालने का देशव्यापी आह्वान किया है। पार्टी ने भारत सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। जबकि उन वादों के बाद ही युवाओं ने सद्भावना दिखाते हुए अपना देशव्यापी विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया था। 5 सितंबर को होने वाला यह शांतिपूर्ण मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर जाएगा। इस मार्च का नेतृत्व नीट परीक्षा से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले छात्रों और पुलिस की बर्बरता के शिकार लोगों के परिवार करेंगे। इसमें देश भर से छात्रों, युवा संगठनों और युवा नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को खत्म करने की कोशिश के तहत प्रेशर ग्रुप से किए गए वादों को पूरा करे। ऑनलाइन ग्रुप से दबाव बनाने वाले समूह में बदले इस संगठन ने केंद्र पर देश के युवाओं को धोखा देने और उनका भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया है। सीजेपी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हम सरकार को पूरी पीढ़ी का अपमान नहीं करने देंगे। सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन खत्म करने का वादा करती है और फिर जब सड़कें खाली हो जाती हैं, तो उन्हीं वादों से मुकरने की कोशिश करती है। भारत के युवाओं से किए गए वादे को अक्षरशः और उसकी मूल भावना के साथ पूरा किया जाना चाहिए। अपने बयान में सीजेपी ने कहा कि छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज ऋक्कफ को रद्द करने के लिए कोर्ट की बार-बार की गुजारिश के बावजूद, सरकार ने अभी तक कोई लिस्ट नहीं दी है। बयान में कहा गया कि केंद्र सरकार ने इसे उपलब्ध कराने का कोई वादा नहीं किया था।

बार-बार चुनाव विकास में बाधा: शिवराज बोले, 'एक देश, एक चुनाव' से बदलेगी तस्वीर!

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को हरिद्वार में साधु-संतों से अपील की कि वे देश के विकास के लिए 'एक देश, एक चुनाव' (ओनोए) की जरूरत के बारे में जागरूकता फैलाएं। 'एक देश, एक चुनाव' पर साधु-संतों और धार्मिक नेताओं की एक सभा में शामिल होते हुए, चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संकल्प किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित से जुड़ा है। चौहान ने साधु-संतों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक सोच से ऊपर उठें और अपने प्रवचनों और सामाजिक प्रभाव के जरिए चुनाव में प्रस्तावित इस सुधार को आम लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के विकास की रफ़्तार को धीमा कर देते हैं, क्योंकि ऐसे समय में प्रशासनिक मशीनरी, शिक्षक, पुलिस और सुरक्षा बल चुनावी कामों में व्यस्त हो जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से समय, पैसे और प्रशासनिक

संसाधनों की बचत होगी, जिससे सरकार और प्रशासन विकास कार्यों पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के तौर पर 'वंदे मातरम' के महत्व को बताते हुए, उन्होंने साधु-संतों से इसके पूरे संस्करण के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को किसी भी तरह के बंटवारे की ओर नहीं बढ़ने दिया जाना चाहिए और राष्ट्रीय एकता सबसे जरूरी है। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोर दिया कि एक साथ चुनाव कराने से जनता का पैसा बचेगा और उन्होंने साधु-संतों से इस मुद्दे पर समाज का मार्गदर्शन करने का आग्रह किया। इस मौके पर योग गुरु रामदेव ने कहा कि देश में साल भर कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं, और चुनाव की प्रक्रिया का असर न सिर्फ.विकास योजनाओं पर, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर भी पड़ता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रमुख श्री महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि आजादी के शुरूआती दशकों में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते थे; हालाँकि, समय के साथ अलग-अलग वजहों से राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल और चुनाव के कार्यक्रम अलग-अलग हो गए।

बंबीहा गैंग पर अमित शाह का कड़ा प्रहार, मलेशिया से डिपोर्ट किए गए 3 कुख्यात गैंगस्टर्स

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार (24 अगस्त) को बताया कि बंबिहा गैंग से जुड़े तीन भगोड़े गैंगस्टरों को मलेशिया से डिपोर्ट किया गया है। इन पर जबरन वसूली, सीमा पार हथियारों की तस्करी और नशीले पदार्थों की तस्करी समेत कई अपराधों के आरोप हैं। उन्होंने कहा कि इन भगोड़ों - जसप्रीत सिंह, अजय सिंह और पवनदीप सिंह - को पकड़कर भारत लाया गया है। एक्स पर एक पोस्ट में शाह के ऑफि स ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने मलेशिया में तीन फरार भारतीय गैंगस्टर्स को पकड़ा, उन्हें भारत डिपोर्ट किया और पुलिस कस्टडी में भेज दिया। ये फरार अपराधी - जसप्रीत सिंह, अजय सिंह और पवनदीप सिंह - बंबीहा गैंग से जुड़े हैं और उन पर कई अपराधों का आरोप है, जिनमें रंगदारी, सीमा पार हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी, और लुधियाना में ग्रेनेड हमले की नाकाम कोशिश शामिल है। 2026 में 51 कुख्यात अपराधियों को डिपोर्ट किया गया गृह मंत्री ने आगे कहा कि भारतीय एजेंसियों ने अ ले 2026 में 51 कुख्यात अपराधियों को डिपोर्ट करने

में मदद की है। पोस्ट में कहा गया मोदी जी के सुरक्षित भारत के विजन के तहत, हमारी एजेंसियों ने अकेले 2026 में 51 कुख्यात अपराधियों को डिपोर्ट करने में मदद की है। मई में दो वॉन्टेड भगोड़ों को वापस लाया

एक्स पर एक पोस्ट में शाह के ऑफि स ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने मलेशिया में तीन फरार भारतीय गैंगस्टर्स को पकड़ा, उन्हें भारत डिपोर्ट किया और पुलिस कस्टडी में भेज दिया। ये फरार अपराधी - जसप्रीत सिंह, अजय सिंह और पवनदीप सिंह - बंबीहा गैंग से जुड़े हैं

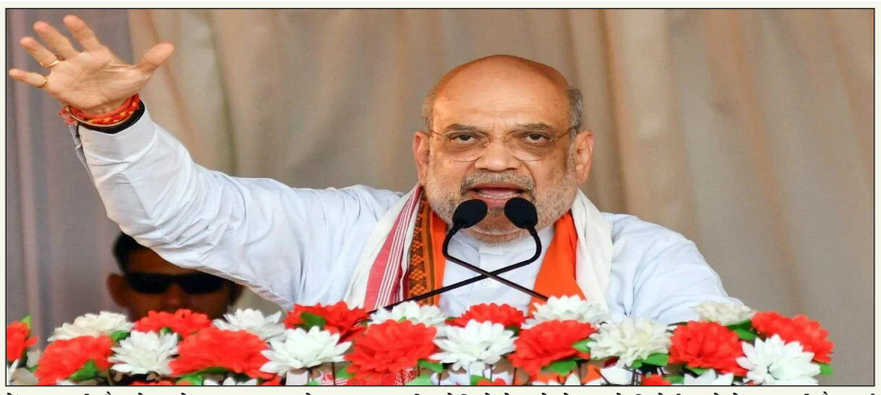

गया इससे पहले मई में, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर काम करते हुए, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से दो वॉन्टेड भगोड़ों को भारत वापस लाया। भारतीय और यूएई अधिकारियों की मिली-जुली कोशिशों के बाद दोनों आरोपियों को 1 मई, 2026 को वापस लाया गया। कमलेश पारेख एक बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले में वॉन्टेड थे, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह को सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। जांचकताओं के अनुसार, उन्होंने कंपनी के अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर, कथित तौर पर विदेशी व्यवसायों के एक नेटवर्क के जरिए बैंक फंड का गलत इस्तेमाल किया; इस नेटवर्क में यूएई में चल रहे कामकाज भी शामिल थे। इस मामले में वित्तीय लेन-देन में हेरफेर और बैंकिंग सिस्टम का गलत इस्तेमाल शामिल है। इंटरपोल रेड नोटिस के जरिए यूएई में उनका पता लगाया गया और बाद में स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया और दिल्ली लाया गया, जहाँ उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

संपादकीय

मिठास की खटास

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह,यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दर्शाता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है,वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये। इसके बावजूद राजग सरकार की इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शिक्षा के मंदिर में भरोसे का संकटः स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि 'बच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?' पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए POCSO Act, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल 'विद्यालय का आंतरिक मामला' मानकर दबा देना उचित नहीं है। मामले की प्रकृति के अनुसार सक्षम अधिकारियों को सूचना और सहयोग देना आवश्यक हो सकता है। कानूनी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना भी है। समाज में आज भी कई बार ऐसी घटनाओं के बाद सवाल बच्ची के व्यवहार, कपड़े, समय, दोस्ती या सोशल मीडिया गतिविधियों पर उठाए जाते हैं। यह सोच गलत और नुकसानदायक है। किसी बच्ची का पहनावा, उसकी बातचीत या उसका किसी शिक्षक पर विश्वास किसी वयस्क को अनुचित व्यवहार का अधिकार नहीं देता। जिम्मेदारी उस व्यक्ति की है जो अपनी स्थिति, उम्र और अधिकार का दुरुपयोग करता है। बच्चियों को सुरक्षा के नाम पर डराने के बजाय उन्हें आत्मविश्वास देना होगा। उन्हें यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज करता है तो वे बिना शर्म और भय के अपनी बात कह सकती हैं। अधिकांश शिक्षक पूरी ईमानदारी और समर्पण से बच्चों का भविष्य बनाते हैं। इसलिए कुछ लोगों के कथित या सिद्ध गलत आचरण का दाग पूरे शिक्षक समुदाय पर लगाना उचित नहीं है। लेकिन इसी कारण शिक्षकों के पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। शिक्षक के पास बच्चों के साथ लगातार संपर्क होता है। इसलिए उसे सीमाओं और पेशेवर मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। व्यक्तिगत संदेश, अनुचित टिप्पणी, अनावश्यक शारीरिक संपर्क या एकांत में बुलाने जैसी स्थितियों को लेकर विद्यालयों में स्पष्ट नियम होने चाहिए। शिक्षक का व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिसमें सम्मान, समानता और सुरक्षा की भावना दिखाई दे।

विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन या अनुचित व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। लेकिन 'जीरो टॉलरेंस' का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि बिना जांच किसी पर कार्रवाई कर दी जाए। इसका सही अर्थ है—हर शिकायत को गंभीरता से लेना, निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाना, बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जांच के निष्कर्ष के आधार पर उचित कार्रवाई करना। शिकायत मिलने पर विद्यालय को आरोपी शिक्षक और छात्रा के बीच ऐसी परिस्थितियों को रोकना चाहिए जिनसे बच्ची पर दबाव पड़े या उसकी सुरक्षा प्रभावित हो। जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने, गवाहों को डराने या शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने जैसी किसी भी कोशिश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अभिभावकों को भी बच्चों के साथ संवाद का वातावरण बनाना होगा। यदि बच्चा किसी शिक्षक या अन्य व्यक्ति के व्यवहार को लेकर असहज महसूस करता है तो उसकी बात बीच में काटने के बजाय ध्यान से सुनना चाहिए।

जिनपिंग की भारत यात्रा- बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

संतोष कुमार पाठक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत-चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती-भिड़ती नजर आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है।

वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं।

वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में छअउ पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले ढछअ यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था।

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने-सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी।

ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं।

अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो-सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी। इस तरह के हालात में सैन्य साजो-सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने-पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी-बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है। सबसे जरूरी बात यह है कि नई दिल्ली की तरफ से इनके पास स्पष्ट ऑर्डर होना चाहिए कि चीनी सेना की नापाक हरकतों का जवाब कैसे और किस हद तक जाकर देना है।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदलेः भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-शृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है। फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा
मंगलवार 25 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

थानाध्यक्ष कोमल तोमर को प्रशस्ति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

एसपी ने सराहा, डीजीपी ने दिया था प्रशंसा चिन्ह

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण द्वारा थानाध्यक्ष आदमपुर कोमल तोमर को उनके द्वारा किए गए सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति चिन्ह प्रदान किया गया है। सोमवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने थानाध्यक्ष कोमल तोमर को प्रशस्ति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रोत्साहित किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया और डबल लॉक एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को देखा। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये। आपको बता दे कि कि निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर जिलाधिकारी ने भगवान शिव का जलाभिषेक

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने श्री वासुदेव तीर्थ स्थल पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रावण मास आस्था, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। अंतिम सोमवार के अवसर पर जनपद के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार के दृष्टिगत जनपद के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर परिसरों एवं संपर्क मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।
उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस एवं प्रशासन द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रमुख शिवालयों एवं संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण के प्रभावी प्रबंध किए गए हैं, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में भगवान शिव की पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक कर सकें।

पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार,जीजा से बात करने पर फावड़े से किया था वार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के देहात थाना क्षेत्र के गांव डाईडेरा में दो दिन पूर्व हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राम अवतार पर अपनी 45 वर्षीय पत्नी रूबी देवी के सिर पर फावड़े से वार कर हत्या करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, रूबी देवी अपने जीजा से फोन पर बातचीत करती थी, जिससे पति राम अवतार नाराज रहता था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने फावड़े से पत्नी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने जांच शुरू कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में गहन पूछताछ की जा रही है।

अधिवक्ता नवनीत गोला को मिला युवा अधिवक्ता गौरव सम्मान-2026

जिला बार एसोसिएशन अमरोहा ने उत्कृष्ट कार्य और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी के लिए किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के न्यायालय परिसर में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिला बार एसोसिएशन अमरोहा की ओर से युवा अधिवक्ता नवनीत कुमार गोला को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए युवा अधिवक्ता गौरव सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।यह सम्मान अधिवक्ता के रूप में उनके कार्य अधिवक्ता समाज के प्रति समर्पण सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी और अपने दायित्वों के प्रति ईमानदार एवं जिम्मेदार कार्यशैली को देखते हुए प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद नवनीत गोला ने जिला बार एसोसिएशन अमरोहा के अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा एडवोकेट, महासचिव अरशद हुसैन भारती और सभी अधिवक्ता साथियों का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल गर्व का विषय नहीं है बल्कि भविष्य में और अधिक मेहनत निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा भी है।उन्होंने कहा कि वह अपने पेशे के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करते रहेंगे।नवनीत गोला को सम्मान मिलने पर अधिवक्ता समाज में खुशी का माहौल रहा।उनकी उपलब्धि पर अधिवक्ता साथियों शुभचिंतकों और समाज के लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धनौरा में भाकियू (असली) की मासिक बैठक,गन्ना भाव 600 करने व बकाया भुगतान कराने की मांग पर अड़े किसान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (असली) की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। जिसमें उपस्थित किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की, साथ ही उन्होंने शासन प्रशासन से गन्ने का मूल्य ड्ड600 प्रति कुंतल करने एवं बकाया गन्ना भुगतान शीघ्र कराने की मांग की। इसके अलावा बैठक में उपस्थित किसानों ने 1996 से लंबित बकाया भुगतान को 15% ब्याज सहित जारी करने की मांग रखी। बता दें कि सोमवार को आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने की इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि गन्ने की उत्पादन लागत बढ़ने और चीनी के बाजार भाव में वृद्धि को देखते हुए किसानों को फसल का उचित मूल्य मिलना चाहिए। पंचायत में गन्ना समितियों से पुराने मामलों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एकत्र करने की अपील भी की गई।मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने कहा कि आगामी पेराई सत्र में गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 600 रुपए प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, इसलिए किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिलना जरूरी है।पंचायत में 1996 से लंबित किसानों के बकाया भुगतान का मुद्दा भी रखा गया। किसानों ने मांग की कि लंबित राशि 15 प्रतिशत ब्याज सहित जारी की जाए। डूंगर सिंह ने कहा कि संबंधित कानूनी प्रक्रिया में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने चाहिए।डूंगर सिंह ने गन्ना समितियों से पिछले 30 वर्षों से संबंधित आवश्यक साक्ष्य और दस्तावेज एकत्र करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे किसानों के लंबित भुगतान से जुड़े मामलों में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने में मदद मिलेगी।पंचायत में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश अम्हेड़ा प्रधान, बचन सिंह, रामवीर सिंह, जगदीश यादव, कपिल कुमार, देशराज पालनपुर, जसपाल सोनू गिल, महकार गुर्जर, नरेश कुआखेड़ा, खचेडू सिंह, समरपाल सिंह, अजेंदर सिंह, मोहित कुमार, हकीमुद्दीन, महावीर प्रजापति, लाखन सिंह, काविंदर सिंह, नन्हे सिद्ध, प्रकाश सिंह, रामपाल सिंह, भूरे सिंह, सुरेश यादव, श्याम बली यादव, जावेद मलिक, तुलाराम सैनी, कपिल त्यागी और राजीव त्यागी सहित बड़ी संख्या में किसान व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति, जनपद की रैंकिंग स्थिति एवं गत समीक्षा बैठक में दिए गए निदेशों की अनुपालन आख्या की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। नियमित टीकाकरण की प्रभावी मॉनिटरिंग न किए जाने एवं अपेक्षित प्रगति न होने पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी का कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने तथा ब्लॉक रिस्पांस टीमों को सक्रिय कर साप्ताहिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में धनौरा एवं जोया ब्लॉक में संस्थागत प्रसव की संख्या में कमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित एमओआईसी एवं बीपीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही लगातार खराब कार्य करने वाली आशा कार्यकताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति बेहतर हो और जनपद की रैंकिंग किसी भी स्थिति में खराब न हो। उन्होंने कम प्रगति वाले कार्यक्रमों में विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में एचआईवी टेस्टिंग, सिफलिस स्क्रीनिंग, एआरटी लिंक तथा जागरूकता अभियानों की स्थिति की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने एचआईवी की जांच, जागरूकता एवं परामर्श गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के साथ-साथ एक्टिव सर्विलांस बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने हाई रिस्क ग्रुप एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित जांच, स्क्रीनिंग एवं जागरूकता गतिविधियों को बढ़ाने तथा चिन्हित मामलों में समय से आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर, क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, आयुष्मान गोल्डन कार्ड एवं प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, गैर संचारी रोग कार्यक्रम, मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, कम्युनिटी प्रोसेस कार्यक्रम, टेली-कंसल्टेशन, आरबीएसके/ आरकेएसके, वित्तीय समीक्षा, अनुमोदन हेतु प्रस्तुत प्रस्तावों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रस्तुतिकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो तथा जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, सीएमएस डॉ. एके भंडारी सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

नगरपालिका ईओ ने संभव जनसुनवाई का किया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा अंतर्गत संभव जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा पालिका मे विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर आये फरियादियों की समस्या का समाधान करवाया गया। उल्लेखनीय है की प्रदेश के नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा की पहल पर प्रत्येक सप्ताह सोमवार को सभी निकायों मे संभव दिवस का आयोजन कर नगर वासियो की पालिका से जुडी विभिन्न समस्याओं को दर्ज करवा कर उनका उचित निस्तारण करवाया जाता है।
आज पालिका मे आयोजित संभव दिवस पर नगर पालिका परिषद अमरोहा मे सफाई व्यवस्था, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, संपत्ति का नामांतरण, राशन कार्ड सत्यापन व अतिक्रमण से संबंधित कुल 8 शिकायते प्राप्त हुई जिनमे से 6 का मौके पर ही निस्तारण करवा दिया गया तथा संपत्ति का नामांतरण व जन्म पंजीकरण से जुड़े एक - एक आवेदन पर जाँच कर नियम अनुसार अग्रिम कार्यवाही किये जाने के निर्देश संबंधित कार्मिको को दिए गए।

भाकियू (टिकैत) के किसानों ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, आगामी 26 अगस्त को होने वाली पंचायत से कराया अवगत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के किसानों ने सोमवार को तहसील परिसर में पहुंच कर अपनी प्रमुख मांगों को लेकर एक ज्ञापन धनौरा उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे को सौंपा। संगठन के किसानों ने इस ज्ञापन के माध्यम से आगामी 26 अगस्त को क्षेत्र में होने वाली किसान पंचायत के बारे में शासन प्रशासन को अवगत कराया। बता दें कि इस दौरान संगठन के तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह और ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चीमा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि बाकरपुर, मिलक, कुआं खेड़ा और दौराला सहित कई गांवों में बिजली की गंभीर समस्याएँ बनी हुई हैं। भाकियू नेताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व की पंचायतों में विद्युत वितरण खंड द्वितीय अमरोहा के अधिशासी अभियंता (XEN) को कई बार बुलाया गया, लेकिन वे हर बार बहाना बनाकर अनुपस्थित रहे। संगठन ने चेतावनी दी कि 26 अगस्त की पंचायत में एठ की उपस्थिति हर हाल में अनिवार्य की जाए।किसानों ने यह भी मांग की कि खाद, बीज, दवाइयों, कृषि यंत्रों तथा गन्ने के कोड आदेशानुसार ब्याज भुगतान से संबंधित समस्याओं के निस्तारण हेतु गन्ना सचिव धनौरा को भी पंचायत में उपस्थित रहने के निर्देश दिए जाएं। इसके अतिरिक्त, खादर क्षेत्र में आई बाढ़ से कई गांव बुरी तरह प्रभावित हैं, जहाँ शासन-प्रशासन की ओर से जल्द से जल्द अधिक से अधिक राहत सामग्री पहुँचाने की मांग की गई।ज्ञापन में डींगरा और चुचैला खुर्द बिजलीघरों के लिए काफी समय से प्रस्तावित 5 डश्अ की ट्रॉली जल्द मंगवाने हेतु एठ गजरौला को बुलाने का आग्रह किया गया। साथ ही, जंगली जानवरों की समस्या को लेकर वन विभाग के अधिकारियों को भी पंचायत में उपस्थित रहने की मांग की गई है।इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चीमा, राधेश्याम, गुरमीत सिंह, सौरभ मलिक, सतपाल सिंह, महीपाल सिंह, सोहित कुमार, अलीमुद्दीन सैफी, भोला सिंह, वीरेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र यादव, प्रवेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, रिंकू और चंद्रप्रकाश सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिवालयों में उमड़ी शिवभक्तों की भीड़, शिवलिंग पर किया जलाभिषेक

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र स्थित शिवालय में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिवलिंग पर जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना करने के लिए भारी संख्या में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ती दिखाई दी, जिन्होंने शिवलिंग पर दूध,दही एवं जल आदि से जलाभिषेक करते हुए महादेव की सच्चे मन से पूजा अर्चना की और अपने परिवार की सुख शांति के लिए भगवान शंकर से प्रार्थना की। वहीं इस दौरान भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट रहा। बता दें कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार को गजरौला क्षेत्र स्थित झारखंडी चाकेश्वर महादेव शिवालय में शिवजी पर जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों की भीड़ की लंबी कतार लगी देखी गई। इस दौरान शिव भक्तों ने घंटों तक कतारबद्ध होकर शिवलिंग पर जल अभिषेक करने हेतु इंतजार किया। शिव भक्तों ने झारखंडी चाकेश्वर महादेव शिवालय में महादेव के शिवलिंग पर जल, दूध ,दही,चावल, बेलपत्र, फल,फूल, दूब, भांग, धतूरा इत्यादि विभिन्न प्रकार के चढ़ावे चढ़ाकर भगवान शिव का सच्चे मन से जलाभिषेक किया और अपने परिवार के लिए भगवान शिव से सुख शांति की मनोकामना की।
इस दौरान शिव भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट दिखाई दिया जिसने शिव भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था के सभी पुख्ता इंतजाम कर रखे थे।

कांवड़ियों की सेवा में जुटी संभल पुलिस, वितरित किया प्रसाद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना बहजोई क्षेत्र के पाठकपुर तिराहे पर श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों के लिए प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी बहजोई मय पुलिस टीम ने श्रद्धालुओं की सेवा की। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धापूर्वक कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को पूड़ी, खीर, फल, दूध सहित विभिन्न प्रसाद वितरित किए। अपर पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस टीम ने स्वयं प्रसाद वितरण कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया और उनकी कुशलक्षेम जानी। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने कांवड़ियों से निर्धारित मार्गों का पालन करने, यातायात नियमों का ध्यान रखने तथा यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस का सहयोग लेने की अपील की। पुलिस टीम ने श्रद्धालुओं को भरोसा दिलाया कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुगम बनाने के लिए पुलिस पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। प्रसाद वितरण कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस बल द्वारा क्षेत्र में लगातार भ्रमण एवं निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

तेज रफ्तार पिकअप ने दो बाइकों को मारी टक्कर, तीन घायल

हादसे में दो की हालत गंभीर, एक जिला अस्पताल रेफर, चालक वाहन छोड़कर फरार

बहजोई/संभल(सब का सपना): जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार दोपहर आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर पजाया के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी लेते हुए जांच शुरू कर दी है, जबकि पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम श्रीनगर कनैटा निवासी लालाराम (35) पुत्र लेखराज और ग्राम नगलिया कठैर निवासी संजीव (25) पुत्र भूपसिंह एक बाइक पर सवार होकर बहजोई में अपने रिश्तेदार को देखने निजी अस्पताल जा रहे थे। वहीं मोहल्ला कुरेशियान बहजोई निवासी मुस्तकीम (60) पुत्र रशीद अपने घर से बैंक जाने के लिए बाइक से निकले थे। सोमवार को करीब 11:45 बजे दोनों बाइक सवार आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर पजाया के पास पहुंचे। इसी दौरान चंदौसी की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने दोनों बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में लालाराम को गंभीर चोटें आईं। उन्हें ई-रिक्शा की मदद से सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। संजीव का उपचार सरकारी अस्पताल में ही जारी है। वहीं मुस्तकीम को भी गंभीर चोटें आई हैं और उनका उपचार बहजोई के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों की जानकारी लेने के साथ हादसे की जांच शुरू कर दी।

टक्कर मारने के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक और वाहन की तलाश में जुटी है।

सरिया से जानलेवा हमला पड़ा भारी, कन्हैया हत्याकांड में इनामी आरोपी गिरफ्तार

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी अभियुक्त विजयपाल(32) पुत्र लीलाधर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को ग्राम दीपपुर डांडा स्थित यात्री शेड बांध के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 18 अगस्त को ग्राम चाऊपुर डांडा निवासी कमलेश पत्नी स्व. बाबूराम ने थाना रजपुरा में तहरीर देकर बताया था कि बदन सिंह पुत्र लीलाधर और विजयपाल पुत्र लीलाधर ने उसके पुत्र कन्हैया के साथ गाली-गलौच की तथा जान से मारने की नीयत से उसके कान के पीछे सरिया से वार कर दिया। आरोपियों ने कन्हैया को जान से मारने की धमकी भी दी थी। तहरीर के आधार पर थाना रजपुरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल कन्हैया को परिजनों ने उपचार के लिए आचार्य हॉस्पिटल एंड न्यूरो ट्रॉमा सेंटर, दिल्ली रोड भूड़, बुलंदशहर में भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने 20 अगस्त को उसे बेहतर उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल दिल्ली रेफर कर दिया। परिजन कन्हैया को उपचार के लिए दिल्ली ले जा रहे थे, तभी रास्ते में 20 अगस्त को उसकी मौत हो गई। कन्हैया की मौत के बाद पुलिस ने दर्ज मुकदमे में हत्या की संबंधित धारा की वृद्धि कर दी। मामले में वांछित विजयपाल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस ने आरोपी पर पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था।

सोमवार को मुखबिर की सूचना पर रजपुरा पुलिस टीम ने घेराबंदी कर विजयपाल को ग्राम दीपपुर डांडा के यात्री शेड बांध के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है।

जिला न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था पर एसपी की नजर, न्यायालय परिसर का किया निरीक्षण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने जिला न्यायालय, चंदौसी का भ्रमण कर न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने न्यायालय परिसर में तैनात पुलिस बल को ब्रीफ करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय परिसर के मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार, न्यायालय भवन, पुलिस बल की तैनाती, आगंतुकों के आवागमन, पार्किंग व्यवस्था तथा न्यायालय में आने वाले वादकारियों एवं अधिवक्ताओं की आवाजाही की जानकारी ली। इसके साथ ही न्यायालय परिसर के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। एसपी ने प्रवेश एवं निकास द्वारों पर विशेष सतर्कता बरतने, नियमित चेकिंग करने तथा सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता की भी समीक्षा की और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में पुलिस द्वारा तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई किए जाने पर जोर दिया। न्यायालय परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी आकस्मिक स्थिति की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दें और पूरी सतर्कता, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि न्यायालय परिसर की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखें, ताकि न्यायालय परिसर में आने वाले वादकारियों, अधिवक्ताओं एवं अन्य लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

गजरौला में टॉयलेट के टैंक में गिरकर 2 साल के मासूम की मौत,परिवार में मचा कोहराम

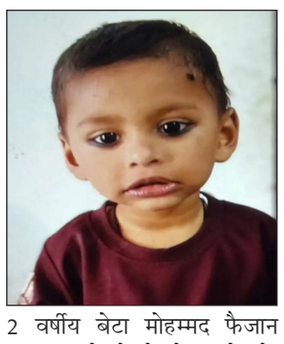

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली के एक मोहल्ले में,एक दो वर्षीय मासूम की टॉयलेट के टैंक में गिरकर मौत हो गई। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि टॉयलेट का टैंक खुला हुआ था और बच्चे के साथ यह हादसा खेलते समय हुआ। बता दें कि पूरा मामला गजरौला नगर कोतवाली के मोहल्ला सुल्तान नगर का है जहां पर शाहरुख का परिवार रहता है। रविवार की देर शाम को शाहरुख का 2 वर्षीय बेटा मोहम्मद फैजान अचानक खेलते खेलते टॉयलेट के टैंक में जा गिरा जिससे उसकी मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक मोहम्मद फैजान अपने घर के बाहर खेल रहा था। खेलते-खेलते वह पास के एक खाली प्लॉट में चला गया। इस प्लॉट में एक खुला पानी का टैंक था, जो बारिश के कारण पानी से भरा हुआ था।खेलते समय मासूम फैजान अचानक उस टैंक में गिर गया। जब काफी देर तक बच्चा दिखाई नहीं दिया, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान परिजनों की नजर टैंक में पड़ी, जहां बच्चा पानी में था।परिजन तुरंत बच्चे को टैंक से निकालकर एक निजी अस्पताल ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत से परिवार गहरे सदमे में है।मृतक बच्चे के पिता शाहरुख ने आरोप लगाया है कि खाली प्लॉट में बना यह टैंक लंबे समय से खुला पड़ा था। उन्होंने कई बार प्लॉट मालिक से इसे ढकने के लिए कहा था, लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को लेकर कॉन्फ्रेंस, मौलाना तंजीम कासमी सम्मानित

संभल(सब का सपना):- मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, संभल में आयोजित राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस में सहभागिता के लिए सोमवार को मौलाना मोहम्मद तंजीम कासमी संभली को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रमाण पत्र कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन के प्रिंसिपल प्रोफेसर मोहम्मद सहील खान ने अपने हाथों से प्रदान किया। इस अवसर पर मौलाना मोहम्मद तंजीम कासमी ने कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षिक कार्यक्रम समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को समझने और लोगों में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कॉन्फ्रेंस के आयोजकों एवं कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि दो दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन 25 और 26 मार्च को बुजुर्गों के सम्मान, देखभाल, स्वास्थ्य, कल्याण, सामाजिक भागीदारी तथा पीढ़ियों के बीच संवेदनशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर किया गया था। कॉन्फ्रेंस में देश के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से जुड़े शिक्षाविदों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया था। कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों की समस्याओं, उनके सम्मान, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी को लेकर शैक्षिक एवं सामाजिक जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शैक्षिक सत्रों, शोध-पत्रों एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से विषय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद मौलाना मोहम्मद तंजीम कासमी संभली ने इसे अपने लिए प्रोत्साहन बताते हुए कहा कि शैक्षिक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में सहभागिता से व्यक्ति के अध्ययन, अनुभव और सोच का दायरा विस्तृत होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षा के साथ-साथ समाज में सकारात्मक जागरूकता पैदा करने के लिए भी बेहद उपयोगी हैं।

डीएम निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर खागा में खाद्य विभाग की बड़ी छापेमारी, 30 कुंतल मिलावटी मिठाई नष्ट, कारखाना सीज

खागा/फतेहपुर (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर आगामी रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रविवार को बड़ी कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त (खाद्य)-कक्ष वीरेंद्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में सोमवार को थाना खागा अंतर्गत ग्राम सतनरैनी स्थित एक मिठाई निर्माण कारखाने का निरीक्षण किया गया। यह कारखाना बबलू पुत्र थान सिंह द्वारा संचालित किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान मौके पर अत्यंत अस्वच्छ और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में मिल्क केक, बर्फी, छेना रसगुल्ला का निर्माण होता पाया गया। जांच में पता चला कि मिठाइयां दूध, मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल और चीनी से बनाई जा रही थीं। गुणवत्ता पर संदेह होने पर टीम ने छेना, मिल्क केक, बर्फी और रिफाइंड सोयाबीन तेल के नमूने लिए। मौके से 134 किलोग्राम रिफाइंड सोयाबीन ऑयल को सीज किया गया और लगभग 10 कुंतल दूषित मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसी कारखाने में बनी हुई और रक्षाबंधन पर बिक्री के लिए पितांबरा कोल्ड स्टोरेज कोडरपुर में भंडारित लगभग 20 कुंतल दूषित मिठाइयों को भी टीम ने नष्ट कराया। इस प्रकार कुल 30 कुंतल दूषित मिठाई नष्ट करवाई गई। कारखाना संचालक को सुधार नोटिस (इम्प्रूवमेंट नोटिस) जारी किया जा रहा है और आवश्यक सुधार होने तक कारखाने को बंद करा दिया गया है।

इस छापेमारी के दौरान उपजिलाधिकारी खागा अश्वनी पांडेय, क्षेत्राधिकारी खागा रवि सिंह भी मौजूद रहे। खाद्य विभाग की टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ कुमार, धीरज कुमार दीक्षित, दिनेश चंद्र व देवेश मिश्रा उपस्थित रहे।

सफाई कार्य में लापरवाही पर सफाई कर्मी निलंबित, विभागीय जांच के आदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और अनुशासनहीनता के मामलों में प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी ग्रीश कुमार ने विकास खंड संभल की ग्राम पंचायत मवई ठकुरान में तैनात सफाई कर्मी विनोद कुमार पुत्र होराम सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी निलंबन आदेश के अनुसार सफाई कर्मी पर अपने तैनाती ग्राम पंचायत में नियमित रूप से सफाई कार्य नहीं करने, पदीय दायित्वों का समुचित निर्वहन न करने तथा उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना करने के आरोप पाए गए हैं। इसके अलावा उसके तैनाती स्थल से बिना सूचना के गायब रहने और सफाई कार्य के समय व्यक्तिगत कार्यों में लगे रहने की शिकायतें भी सामने आई थीं। बताया गया कि सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) की ओर से कार्यालय पत्रांक 1236- 25 जून तथा पत्रांक 1486 - 14 जुलाई के माध्यम से संबंधित सफाई कर्मी को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। निर्धारित अवधि में कर्मचारी की ओर से संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रथम दृष्टया कर्तव्यों के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता पाए जाने पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने निलंबन की कार्रवाई की। निलंबन अवधि में कर्मचारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता अनुमन्य होगा। प्रकरण की विभागीय जांच के लिए सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जुनावई को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अधिकारी को नियमानुसार मामले की जांच कर निर्धारित अवधि में अपनी आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट किया है कि शासकीय दायित्वों के निर्वहन में किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल

तेलियानी ब्लॉक में कृषि गोष्ठी, किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के तेलियानी विकासखंड के गोपाल नगर, सीताराम मंदिर के निकट नउवाबाग में सोमवार को कृषि विभाग के तत्वावधान में विकासखंड स्तरीय कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि अयाह शाह विधायक विकास गुप्ता ने गोष्ठी का उद्घाटन किया इस दौरान उन्होंने पौधरोपण कर ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान के तहत वृक्ष वंदन भी किया। गोष्ठी में कृषि विभाग की ओर से अनुदान पर उपलब्ध कराए जाने वाले कृषि यंत्रों का वितरण किया गया कृषि विभाग के अधिकारियों और कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, फसल प्रबंधन, पशुपालन तथा उर्वरकों के संतुलित प्रयोग की जानकारी दी। उद्यान विभाग के अखिलेश कुमार ने किसानों को औद्यानिकी एवं संबंधित कृषि गतिविधियों के बारे में जानकारी दी पशुपालन विभाग के डॉ. संजय पांडेय ने पशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण और बेहतर पशुपालन के संबंध में उपयोगी जानकारी दी प्रेमदान पाल ने मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने, उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक प्रयोग तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए कुंवरसेन गंगवार ने फसल बीमा योजना और दलहन आत्मनिर्भरता अभियान की जानकारी दी भूमि संरक्षण अधिकारी ने विभागीय योजनाओं और उनके लाभ के बारे में किसानों को बताया। उप कृषि निदेशक रामजतन मिश्र ने किसानों से विभागीय योजनाओं और कृषि सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर किसान खेती की लागत कम करने के साथ उत्पादन और आय बढ़ा सकते हैं।गोष्ठी में किसानों ने कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी समस्याएं विशेषज्ञों के सामने रखीं और उनके समाधान की जानकारी प्राप्त की कार्यक्रम में तेलियानी ब्लॉक का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे अंत में विधायक विकास गुप्ता ने कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और दूर-दराज से आए किसानों का आभार व्यक्त करते हुए गोष्ठी के समापन की घोषणा की।

टैक्स वसूली के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, डीएम से कार्रवाई की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद नगीना में हाउस टैक्स एवं वाटर टैक्स की वसूली में लगे कर्मचारियों पर बकायादारों से अवैध रूप से धनराशि मांगने का आरोप लगा है। नगर क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक मोहल्लों के निवासियों ने जिलाधिकारी को हस्ताक्षरयुक्त शिकायती पत्र भेजकर मामले की जांच कराकर दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायतकताओं कफिल अहमद, लाइक अहमद, लियाकत हुसैन, दीपक कुमार, शाहिद अहमद, शिवम कुमार आदि ने आरोप लगाया कि नगर पालिका के कर्मचारी वर्तमान एवं बकाया हाउस टैक्स तथा वाटर टैक्स की वसूली कर रहे हैं। आरोप है कि बकायादार द्वारा दो-चार दिन में टैक्स जमा करने की बात कहने पर कर्मचारी समय देने के बदले कथित रूप से एक से दो हजार रुपये तक की मांग करते हैं। रुपये देने से इनकार करने पर तरह-तरह की धमकियां दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकताओं का यह भी आरोप है कि पालिका कर्मचारी कई बार हाउस टैक्स एवं वाटर टैक्स की रसीद उस समय काटने पहुंचते हैं, जब महीने का अंतिम समय चल रहा होता है। जबकि नगर के अधिकांश बकायादार समय से नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अपना बकाया टैक्स जमा कर रहे हैं।

शिकायतकताओं ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर टैक्स वसूली के नाम पर कथित अवैध वसूली करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

क्रिकेट सीरीज के फाइनल में टीम C ने दर्ज की शानदार जीत, बनी चैंपियन

डॉ. नदीम बने मैन ऑफ द मैच, कप्तान शाहिद अली गौहर की शानदार कप्तानी से टीम को मिली जीत

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को क्रिकेट सीरीज का रोमांचक फाइनल मुकाबला टीम A और टीम C के बीच खेला गया। कांटे की टक्कर वाले इस मुकाबले में टीम C ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर सीरीज की चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल मुकाबले में टीम C के कप्तान एवं एमएम इंटर कॉलेज नगीना के प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम अ ने कप्तान मेराज अहमद की शानदार 49 रनों की पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 101 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम C की शुरूआत अच्छी नहीं रही और कप्तान शाहिद अली गौहर शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद शहजाद

अहमद और डॉ. नदीम ने पारी को संभाला। शहजाद अहमद ने 14 रन बनाए, लेकिन दुर्भाग्यवश रन आउट हो गए। तीसरे विकेट के लिए डॉ. नदीम और शफक्कत रईस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। शफक्कत रईस 26 रन बनाकर कप्तान मेराज की गेंद पर कैच आउट हो गए। इसके बाद डॉ. नदीम ने एक छोर संभाले रखा और शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। बेहतरीन पारी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान शाहिद अली गौहर ने सूझबूझ भरी कप्तानी करते हुए टीम को खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल भावना, मेहनत और एकजुटता का परिचय दिया, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मैच में अंपायर अथर मिर्जा और सऊद ने शानदार अंपायरिंग की। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में वसीम भाई, यावर भाई और कमर भाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सीरीज में कप्तान सैफुर्रहमान की टीम B तीसरे स्थान पर रही। समापन अवसर पर नगीना नगर पालिका परिषद के चेयरपर्सन पुत्र शीराज खलील ने तीनों टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने टीम C के कप्तान शाहिद अली गौहर और सभी खिलाड़ियों को शानदार जीत पर बधाई देते हुए कहा कि कप्तान की रणनीति और खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन ने इस जीत को यादगार बना दिया। वहीं टीम अ के कप्तान मेराज अहमद और उनकी पूरी टीम को भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने तथा फाइनल तक पहुंचने पर बधाई दी गई। टीम C के सीरीज चैंपियन बनने पर खेल प्रेमियों ने कप्तान शाहिद अली गौहर सहित पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं और भविष्य के मुकाबलों में भी शानदार प्रदर्शन की कामना की।

मारपीट और फायरिंग के आरोप में 11 के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जमालपुर बांगर निवासी सोमपाल सिंह ने गांव के ही 11 लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, फायरिंग, व जान से मारने की कोशिश, जातिसूचक शब्द कहने और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, 16 जून की शाम करीब 6:30 बजे आरोपी लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर सोमपाल के भाई के घर में घुस आए। आरोप है कि वहां मौजूद बबीता और उसके बेटे आकांशु के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई।शोर सुनकर बचाने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों पर भी धारदार हथियारों से हमला किया गया, जिससे कई लोग घायल हो गए।आरोप है कि पवन कुमार ने आकांशु पर जान से मारने की नीयत से फायर किया, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। वहीं ज्योति, विनोद और अमित पर आकांशु का गला दबाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने रोहिताश और देशबन्धू पर जातिसूचक शब्द कहने, मारपीट करने तथा परिवार के मोबाइल और घर के सामान में तोड़फोड़ करने का भी आरोप लगाया है। सोमपाल के मुताबिक, इससे पहले भी आरोपियों पर ट्रैक्टर का कपलिंग और कंबाइन से डीजल चोरी करने समेत अन्य घटनाओं में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। मामले में पुलिस से शिकायत और एसपी को रजिस्टर्ड डाक से प्रार्थना पत्र देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया। प्रार्थना पत्र में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराने की मांग की गई है।

पति पर फोन पर तीन तलाक देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एक विवाहिता ने पति पर फोन पर गाली गलौज कर तीन तलाक देने और ससुराल पक्ष पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। ग्राम कोटरा निवासी रजिया खातून की शादी वर्ष 2015 में कोतवाली देहात क्षेत्र निवासी अनीस के साथ हुई थी।दंपती के दो बच्चे हैं और महिला वर्तमान में गर्भवती है। आरोप है कि पति गोवा में सैलून का काम करता है।सास शमशीदा और ननद रूखसाना पति को दूसरी शादी के लिए उकसाती थीं। पीड़िता का आरोप है कि 18 अगस्त को सास और ननद ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। अगले दिन पति ने फोन पर गाली गलौज करते हुए तीन तलाक दे दिया और कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद सास और ननद ने उसके सोने के बुंदे,लौंग और चांदी की पायल उतरवा ली।

20अगस्त को उसे बच्चों से अलग कर केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाल दिया गया। पीड़िता अपने भाई के साथ मायके पहुंची और पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार, स्योहारा पुलिस ने की कार्रवाई

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त 2026 को थाना स्योहारा पर वकील पुत्र हनीफ निवासी ग्राम मंगलखेड़ा, जुबैर पुत्र यासीन उर्फ यामीन निवासी मोहल्ला शेखान कस्बा स्योहारा, इकराम पुत्र शमीम निवासी मोहल्ला शेखान कस्बा स्योहारा तथा अनवर पुत्र इरफान अंसारी निवासी मंसूर सराय, पिंजापुर कस्बा स्योहारा के विरुद्ध संगठित

गिरोह बनाकर अपने भौतिक एवं आर्थिक लाभ के लिए गोवध जैसे जघन्य अपराध करने तथा समाज में भय एवं आतंक का माहौल उत्पन्न करने के आरोप में मुकदमा अपराध संख्या 311/2026, धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट पंजीकृत किया गया था। इसी मामले में थाना स्योहारा पुलिस ने सोमवार, 24 अगस्त को वांछित आरोपी जुबैर पुत्र यासीन उर्फ यामीन निवासी मोहल्ला शेखान, कस्बा व थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 161/2024 में धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

इसके अलावा वर्तमान मुकदमा अपराध संख्या 311/2026 धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट में भी वह वांछित था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल 157 सरित सिंह तथा कांस्टेबल 2706 आलोक पंवार शामिल रहे।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, राखियों की खरीदारी शुरू

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भाई-बहन के अटूट प्रेम और पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही नगर में इसकी तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर सजाने के लिए राखियों की खरीदारी शुरू कर दी है। नगर के मुख्य बाजारों में जगह-जगह रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों के स्टॉल सज गए हैं, जहां महिलाएं और युवतियां अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियां खरीदती नजर आ

रही हैं। वहीं, भाई भी रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहनों को उपहार देने के लिए खरीदारी में जुट गए हैं। पर्व को लेकर बाजारों में बहन-भाइयों की बढ़ती आवाजाही से रौनक दिखाई देने लगी है। राखियों के साथ-साथ कपड़े, उपहार और अन्य सामान की दुकानों पर भी ग्राहकों की चहल-पहल बढ़ गई है। उधर, रक्षाबंधन पर मिठाइयों की बढ़ती मांग को देखते हुए मिठाई विक्रेताओं ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। विभिन्न प्रकार की मिठाइयां बनाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। पर्व नजदीक आने के साथ ही बाजारों में खरीदारी और भी बढ़ने की उम्मीद है।

टीकाकरण से कोई बच्चा न रहे वंचित, माइक्रो प्लानिंग पर हुई समीक्षा बैठक

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना में सोमवार को आरआई (नियमित टीकाकरण) माइक्रो प्लानिंग रिव्यू बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कोई भी बच्चा अथवा गर्भवती महिला नियमित टीकाकरण से वंचित न रहे, इसके लिए प्रभावी माइक्रो प्लान तैयार करना रहा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल दिवाकर ने बताया कि नगीना ब्लॉक जिले के बड़े ब्लॉकों में शामिल है और यहां एएनएम की कमी को देखते हुए प्रत्येक गांव एवं शहरी क्षेत्र तक टीकाकरण की सुविधा पहुंचाने के लिए विशेष योजना तैयार की गई है। बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक चिन्हित स्थान पर माह में

निर्धारित तिथि को टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएगा। जहां लाभार्थियों की संख्या अधिक होगी, वहां दो सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि टीकाकरण सत्र की सूचना संबंधित आशा कार्यकर्ता द्वारा एक दिन पूर्व गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के अभिभावकों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि कोई भी लाभार्थी टीकाकरण से छूट न जाए। अधिकतर टीकाकरण सत्र आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत घर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित अन्य सरकारी संस्थानों में आयोजित किए जाएंगे। बैठक में शहरी प्रभारी डॉ. जलील शमसी, डॉ. देवाशीष चौधरी तथा जनपद से आए एफएम एवं डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधियों ने एएनएम के माइक्रो प्लान की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी एएनएम को अपने-अपने क्षेत्र में समय से सत्र आयोजित कराने तथा इसकी सूचना पहले से लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। डॉ. विशाल दिवाकर ने जनप्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे नियमित टीकाकरण अभियान में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने का सबसे प्रभावी उपाय समय से उनका संपूर्ण टीकाकरण कराना है। कार्यशाला में सीएमओ डॉ. ईसा गोयल, गाबी से अमित कुमार तथा एफएम-डब्ल्यूएचओ की टीम का सहयोग रहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं सभी एएनएम मौजूद रहीं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

25 नवजात बालिकाओं की माताओं को दिए बेबी केयर और पोषण किट

हापुड़ (सब का सपना):- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निदेर्शानुसार ब्लॉक हापुड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना तथा बेटी के जन्म और शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस दौरान 25 नवजात बालिकाओं

और पोषण किट का वितरण अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक विजय पाल आढ़ती, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. किशोर कुमार आहूजा, चिकित्सा अधीक्षक कपिल गौतम, अनुज त्यागी, नेहा त्यागी, डिस्ट्रिक्ट मिशन कॉर्डिनेटर एवं सेंटर मैनेजर वन स्टॉप सेंटर सोनिया, काउंसलर रविता, चाइल्ड हेल्पलाइन सुपरवाइजर, केस वर्कर तथा रानी लक्ष्मीबाई सम्मान कोष से पिंकू आदि उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थान पर भगवान वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित होने पर मोर्चा ने जताया आभार

जिलाधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष व ईओ को सौंपा धन्यवाद पत्र, शीघ्र अनावरण और सुरक्षा की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- सार्वजनिक स्थान पर जगतगुरु एवं रामायण रचयिता आदि कवि महर्षि भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा स्थापित किए जाने पर राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा ने जिलाधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का आभार जताया। मोर्चा पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों के नाम धन्यवाद पत्र सदर एसडीएम को सौंपा। वाल्मीकि समाज के लोग लंबे समय से बिजनौर के किसी सार्वजनिक स्थान पर भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग करते आ रहे थे। इस संबंध में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भी समय-समय पर आवाज उठाई गई। 17 फरवरी 2025 को बिजनौर दौरे पर आए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, दर्जा प्राप्त मंत्री एवं उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ तत्कालीन जिलाधिकारी जसजीत कौर को पत्र सौंपकर प्रतिमा

स्थापित कराने की मांग की थी।

जिलाधिकारी ने मांग को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा सीएमओ कार्यालय के बाहर चौराहे पर करीब एक सप्ताह पूर्व भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा स्थापित कराई गई। प्रतिमा स्थापित होने से वाल्मीकि समाज में खुशी की लहर है।

सोमवार सुबह राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी, केके रंजन, प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रितु वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष विशाल पाराशर, जिला उपाध्यक्ष रोहित कुमार सहित दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पर एकत्र हुए। इसके बाद मुख्य मार्गों से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में सदर एसडीएम को जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी के नाम धन्यवाद पत्र सौंपा गया।

धन्यवाद पत्र में कहा गया कि अधिकारियों के अथक प्रयासों से सार्वजनिक स्थान पर भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा स्थापित कराकर वाल्मीकि समाज का गौरव बढ़ाया गया है, जिसके लिए मोर्चा उनका आभार व्यक्त करता है। साथ ही प्रतिमा का शीघ्र अनावरण कराने तथा प्रतिमा स्थल की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की गई। सदर एसडीएम ने मोर्चा पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा का शीघ्र अनावरण कराया जाएगा तथा प्रतिमा स्थल की स्वच्छता और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिजनों में कोहराम

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम डारौली में पारिवारिक नोक-झोंक से तंग आकर एक 26 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, डारौली निवासी सागर के छह बच्चों में सबसे छोटा बेटा गुड्डू पहले प्राइवेट नौकरी करता था। पिछले कुछ महीनों से उसने नौकरी छोड़ दी थी और गांव में ही खेती व मजदूरी करने लगा था। गुड्डू की शादी पास ही के गांव चित्सौना निवासी सपना

(26 वर्ष) के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं, जिनमें एक चार साल का बेटा और एक साल की बेटी है।बताया जा रहा है कि गुड्डू के माता-पिता भी उसी के साथ रहते थे, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर अनबन रहती थी। आज भी किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। इसके बाद गुड्डू अपने काम के सिलसिले में खेत पर चला गया। पति के जाने के बाद सपना ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।जब घर के अन्य सदस्यों ने सपना को फंदे पर लटका देखा, तो उनके होश उड़ गए। परिजन आनन-फानन में उसे कस्बे के केशोपुर सठला स्थित एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। वहां महिला की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उसे हापुड़ के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, हापुड़ पहुंचने पर डॉक्टरों ने सपना को मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही सपना के मायके पक्ष के लोग भी हापुड़ पहुँचे जहा से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा , समाचार लिखे जाने तक मृतका के परिजनों द्वारा पुलिस को अभी कोई तहरीर प्राप्त नही हुई है

छात्रावास से भगत सिंह चौक तक मुख्य मार्ग बना मुसीबत, दलदल में तब्दील हुआ रास्ता

कीचड़ और जलभराव से हादसों का खतरा बढ़ा

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर को मेरठ-बदायूं हाईवे से जोड़ने वाले छात्रावास से भगत सिंह चौक तक करीब 120 मीटर लंबे संपर्क मार्ग की हालत बेहद खराब हो गई है। बारिश के बाद यह मार्ग कीचड़ और जलभराव के कारण दलदल में तब्दील हो गया है। पैदल राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग पर बने गहरे गड्ढे बारिश के पानी में दिखाई नहीं देते, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई दोपहिया वाहन चालक फिसलकर घायल हो चुके हैं, जबकि गड्ढे में एक ई-रिक्शा भी पलट चुका है। मार्ग की बदहाली से हजारों छात्र-छात्राओं और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। यह मार्ग चौधरी चरण सिंह छात्रावास, मंदिर, तहसील के अलावा कई प्रतिष्ठित विद्यालयों, डिग्री कॉलेज और लॉ कॉलेज को जोड़ता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और ग्रामीण इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। रानीवाला, खखूड़ा, बरौली, सरगांव, जगदीशपुर और मीरापुर समेत दर्जनों गांवों के लोग भी नगर में आने-जाने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों को मार्ग की बदहाल स्थिति की जानकारी होने के बावजूद अब तक समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। वहीं टीवीएस शोरूम से भगत सिंह चौक तक का हिस्सा भी लंबे समय से खराब पड़ा है। उद्योग व्यापार मंडल भारत के नगर अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार गर्ग ने नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी से मार्ग की स्थिति को देखते हुए संबंधित ठेकेदार के माध्यम से जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है। नगरवासियों ने भी अधिकारियों से मार्ग की मरम्मत कराकर आवागमन सुचारु कराने की मांग की है।

कच्चे मकान ढहे, आवास योजना का नहीं मिला लाभ, पक्की छत सिर्फ सपना

फतेहपुर (सब का सपना):- सरकार गरीबों को पक्की छत मुहैया कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना संचालित कर रही है, लेकिन बरसात में इन योजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आ रही है। खागा क्षेत्र के बरहा गांव में भारी बारिश के बाद कई कच्चे मकान भरभराकर ढह गए मकान गिरने से गरीब परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। घर-गृहस्थी का सामान भी मलबे में दब गया, जिसे ग्रामीण किसी तरह बाहर निकालकर पॉलिथीन से ढककर सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं। मकान गिरने की जानकारी पर समाजवादी पार्टी के नेता एवं खागा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी, पूर्व डीआईजी रामतीर्थ परमहंस गांव पहुंचे उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया। गांव में भ्रमण के दौरान कई परिवारों के कच्चे मकान बारिश की मार से धराशायी मिले कुछ मकानों की दीवारें अभी खड़ी हैं, लेकिन उनके भी कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है जान जोखिम में डालकर लोग रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं पूर्व डीआईजी को बताईं उन्होंने मौके पर मौजूद लेखपाल से बातचीत कर पात्र और प्रभावित परिवारों की निष्पक्ष जांच कर सही रिपोर्ट प्रशासन को भेजने को कहा, ताकि बेघर हुए परिवारों को सरकारी आवास योजना का लाभ और तत्काल राहत मिल सके। रामतीर्थ परमहंस ने कहा कि गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ समय रहते मिल जाना चाहिए, ताकि बरसात में मकान गिरने जैसी घटनाओं के दौरान किसी तरह की जनहानि न हो। उन्होंने प्रशासन से गांव में वास्तविक स्थिति की जांच कराकर जर्जर और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को चिह्नित करने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पात्र परिवारों को पक्के आवास मिल जाते तो आज उन्हें बारिश के बीच सिर छिपाने के लिए भी परेशान नहीं होना पड़ता प्रशासन की ओर से अब इन परिवारों को कितनी राहत मिलती है, यह देखने वाली बात होगी।

रक्षाबंधन पर 3,500 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

बुलन्दशहर (सब का सपना):- रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में करीब 3,500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए 83 एंटी रोमियो स्क्वॉड सक्रिय रहेंगे। परिक्षेत्र में 5 एएसपी, 20 सीओ, 80 निरीक्षक, 600 उपनिरीक्षक सहित पुलिस बल और एक कंपनी पीएसी तैनात की गई है। बाजारों, रेलवे व बस स्टेशनों, हाईवे और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग तथा भीड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

उत्तराखंड में सड़क पर मनमानी करने वालों पर हुई कार्रवाई, तीन दिन में हुए 2209 चालान

उत्तराखंड परिवहन विभाग ने 21 से 23 अगस्त तक चले विशेष अभियान में सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की।

देहरादून। सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग के तीन दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान में वाहन चालकों की मनमानी पर जमकर कार्रवाई हुई। 21 से 23 अगस्त तक चले अभियान में देहरादून संभाग में 2209 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 157 वाहन बंद किए गए। राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर निर्धारित पार्किंग स्थलों के बजाय सड़क किनारे वाहन खड़े करने वालों से लेकर तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और नशे में वाहन चलाने वालों पर प्रवर्तन टीमों ने शिकंजा कसा। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा) डॉ. अनीता चमोला के निर्देशन में 40 टीमों ने अभियान चलाया। कार्रवाई में सबसे अधिक ओवरस्पीडिंग के 347 मामले पकड़े गए। इसके अलावा 239 बिना हेलमेट, 194 ओवरलोडिंग और 183 सड़क किनारे गलत तरीके से वाहन खड़े करने के मामले सामने आए। मालवाहक वाहनों से माल बाहर निकालकर ले जाने के 112 मामलों में भी चालान किया गया। नशे में वाहन चलाने वाले 11 चालक भी कार्रवाई की जद में आए। हरिद्वार में सबसे ज्यादा चालान हरिद्वार में 531 चालान और 36 वाहन बंद किए गए। रुड़की में 492 चालान के साथ 41 वाहन बंद किए गए। ऋषिकेश में 442 चालान और 15 वाहन, देहरादून में 418 चालान और 38 वाहन बंद किए गए। टिहरी में 116 चालान व चार वाहन तथा उत्तरकाशी में 47 चालान व सात वाहन बंद किए गए। अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग टीमों ने संभाला मोर्चा देहरादून में एआरटीओ प्रवर्तन रत्नाकर सिंह, ऋषिकेश में रश्मि पंत, विकासनगर में अनिल नेगी, हरिद्वार में नेहा झा, रुड़की में कृष्ण चंद्र पलाड़िया, टिहरी में ज्योतिशंकर मिश्रा और उत्तरकाशी में सुवर्णा के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। भारी, मध्यम व हल्के मालवाहक वाहनों के साथ यात्री वाहनों की भी जांच की गई। आरटीओ डॉ. अनीता चमोला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क किनारे गलत पार्किंग, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, नशे में वाहन चलाने और बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जारी रखी जाए।

विभाग के अनुसार अभियान का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के साथ सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करना है। वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने और वाहन केवल सुरक्षित व निर्धारित स्थान पर खड़ा करने की अपील की गई है।

लम्पी स्किन रोग की रोकथाम को तेज हुआ टीकाकरण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में लम्पी स्किन रोग की रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग ने टीकाकरण अभियान तेज कर दिया है। जनपद को 1.26 लाख वैक्सीन प्राप्त हो चुकी हैं। 24 अगस्त तक 34 हजार गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। पशु चिकित्सा विभाग की टीम गांव चठहेरा पहुंची और 150 गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया। टीम ने बीमारी के लक्षण वाले पशुओं का उपचार भी किया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने पशुपालकों से अपील की है कि सभी गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं। बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर पशु को तत्काल अन्य पशुओं से अलग रखें तथा उसका झूठा चारा-पानी अन्य पशुओं को न दें। जिले के सभी पशु चिकित्साधिकारियों एवं पशुधन प्रसार अधिकारियों को टीकाकरण और बीमारी की रोकथाम के निर्देश दिए गए हैं।

देहरादून में गोवंश के साथ क्रूरता: ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे बांधकर दूर तक घसीटा, आरोपी मालिक गिरफ्तार

देहरादून। कोतवाली विकासनगर अंतर्गत धमार्वाला-कुंजा मार्ग पर गोवंश के साथ क्रूरता का बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे गोवंश को बांधकर सड़क पर घसीटने का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया है। गोवंश गंभीर रूप से घायल है। उसके शरीर पर गहरे घाव हैं और कई स्थानों पर हड्डियां तक दिखाई दे रही हैं। घटना के बाद चालक घायल गोवंश को जुडली गांव में सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। हिंदू संगठनों ने धरना देकर आक्रोश जताया और गोवंश का उपचार कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपित को हिरासत में लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर दिया है। रविवार सुबह सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े गोवंश को देखकर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलने पर हरबर्टपुर पुलिस चौकी प्रभारी मयंक त्यागी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। मार्ग किनारे लगे सीसीटीवी में ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक गोवंश को पीछे बांधकर घसीटता हुआ दिख रहा है। लोगों ने घटना में शामिल व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल राजीव रौथाण के अनुसार जुडली निवासी आयुष शर्मा की तहरीर पर आरोपित राजकुमार निवासी आदूवाला जुडली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

देहरादून में रक्षाबंधन समारोह में पहुंचे उट धामी, बोले- मुख्यमंत्री नहीं, भाई बनकर आया हूं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को दून में आयोजित रक्षाबंधन समारोह में मातृशक्ति के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर वह मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक भाई के रूप में अपनी बहनों के बीच आए हैं। उन्होंने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि किसी बहन या बेटी को परेशानी होने पर वह अपनी समस्या मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा उत्तराखंड बनाना है, जहां बेटियां सुरक्षित हों, महिलाएं आत्मनिर्भर हों, माताएं सम्मान के साथ जीवन बिताएं और युवा अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त रहें। रविवार को जीएमएस रोड स्थित चौधरी फार्म और हाथीबड़कला स्थित सर्वे स्टेडियम में आयोजित समारोहों में बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र बांधा और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने बहनों से मिले स्नेह और आशीर्वाद के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मातृशक्ति का विश्वास ही उन्हें प्रदेश की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। सर्वे स्टेडियम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की ओर से आयोजित रक्षाबंधन समारोह में करीब 20 हजार बहनों ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना की। समारोह में मुख्यमंत्री के साथ ही राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर और भाजपा संसदीय बोर्ड एवं केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य सुधा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। समारोह में वीर नारियों की विशेष उपस्थिति रही। गढ़वाली, कुमाऊंनी और नेपाली संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिया। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने भी गणेश जोशी की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। वहीं, गणेश जोशी की पत्नी निर्मला जोशी और भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी ने मुख्यमंत्री धामी को राखी बांधी। समारोह में राज्यमंत्री विनय रोहिला, भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, ज्योति कोटिया, शमशेर सिंह बिष्ट, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। जीएमएस रोड स्थित चौधरी फार्म में आयोजित कार्यक्रम में आयोजक जोगिंदर सिंह पुंडीर, उत्तराखंड आपदा प्रबंधन राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय कुमार रोहिला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। रक्षा सूत्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संकल्पः राहटकर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश और संस्कारों के प्रतीक हैं। रक्षाबंधन पर बहन द्वारा भाई की कलाई पर बांधा जाने वाला रक्षा सूत्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की रक्षा का अर्थ केवल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि उन्हें सम्मान और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना भी है। 20 हजार बहनों का स्नेह जनसेवा का प्रमाण मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम के साथ-साथ स्नेह, विश्वास, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प का पर्व है। उन्होंने कहा कि करीब 20 हजार बहनों द्वारा गणेश जोशी को राखी बांधना उनके प्रति मातृशक्ति के अपार स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद का प्रतीक है।

देहरादून में पुरानी पेंशन के लिए 13 सितंबर को होगी महारैली, प्रदेशभर से पहुंचेंगे कर्मचारी और शिक्षक

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर 13 सितंबर को दून में महारैली आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेशभर से शिक्षक और कर्मचारी जुटेंगे। रैली की तैयारियों और आंदोलन को धार देने के लिए रविवार को यमुना कॉलोनी स्थित एकता भवन में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन (एनएमओपीएस) की देहरादून जिला इकाई की बैठक हुई। इसमें जिला कार्यकारिणी का विस्तार करने के साथ ही रायपुर विकासखंड की महिला विंग का गठन किया गया। जिला अध्यक्ष संतोष गड़ोही ने कहा कि नई पेंशन योजना शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए छलावा है। पुरानी पेंशन बहाल होने तक संगठन का संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि 13 सितंबर की महारैली में प्रदेशभर के कर्मचारी और शिक्षक दून पहुंचकर पुरानी पेंशन की मांग उठाएंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अधिक से अधिक कर्मचारियों को आंदोलन से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में रायपुर ब्लाक से रजनी रावत को जिला कोषाध्यक्ष और डोईवाला से विजय बडोनी व रायपुर ब्लॉक से जगबीर सिंह भंडारी को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। कालसी से विमल उनियाल को जिला मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। रायपुर महिला विंग में संगीता नौटियाल डिमरी को अध्यक्ष, सुनीता रावत को मंत्री, राखी बिष्ट को उपमंत्री और दिव्या शर्मा को प्रचार मंत्री मनोनीत किया गया। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ रायपुर ब्लाक के अध्यक्ष अरविंद सिंह सोलंकी ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे का सहारा है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को अधिक से अधिक शिक्षक-कर्मचारियों को आंदोलन से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी। एनएमओपीएस के जिला मंत्री विनोद मल्ल ने कहा कि कर्मचारियों को जागरूक किए बिना पुरानी पेंशन बहाली की लड़ाई सफल नहीं होगी। बैठक में एनएमओपीएस पदाधिकारियों के साथ रायपुर ब्लॉक के प्रवक्ता फरस राम कोठारी, संगीता नौटियाल डिमरी, सुनीता रावत, राखी बिष्ट, दिव्या शर्मा समेत कई शिक्षक-कर्मचारी मौजूद रहे।

नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी, 'सीएम विद्यार्थी मंथन' पोर्टल पर उमड़ा उत्साह; बेस्ट आइडियाज होंगे सम्मानित

देहरादून। उत्तराखंड को एक विकसित और आदर्श राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अभिनव पहल 'मेरे सपनों का उत्तराखंड' को प्रदेशभर में अभूतपूर्व प्रतिसाद मिल रहा है। राज्य के भविष्य और नीतियां तय करने में युवाओं की सोच को शामिल करने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक 2.50 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक सुझाव और निबंध ऑनलाइन दर्ज कराए हैं। यह अभियान प्रदेश के युवाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाने के बजाय विकास प्रक्रिया में सीधे भागीदार बनाने का एक सशक्त जरिया बन रहा है। डिजिटल मंच से जुड़ा विजन गौरतलब है कि बीते 10 अगस्त को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशभर के 11वीं और 12वीं कक्षा के करीब तीन लाख विद्यार्थियों के साथ ऑनलाइन संवाद किया था। इसी दौरान उन्होंने युवाओं से आने वाले वर्षों में उत्तराखंड के विकास का विजन साझा करने का आह्वान किया था। छात्रों के इन विचारों को एकीकृत करने के लिए "CM Vidyarthi Manthan.com" पोर्टल लॉन्च किया गया। इसके माध्यम से सरकारी और निजी स्कूलों के छात्र पर्यटन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और तकनीक जैसे 8 प्रमुख विषयों पर

अपने विचार भेज रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 24 अगस्त तय की गई है। सीएम के साथ सीधा संवाद और स्कॉलरशिप धामी सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक निबंध प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भविष्य के उत्तराखंड का ब्लू-प्रिंट तैयार करने का ऐतिहासिक प्रयास है। अभियान के तहत चुने गए 140 सबसे बेहतरीन और व्यावहारिक विचारों वाले छात्रों को शासन के वरिष्ठ सचिवों और स्वयं मुख्यमंत्री धामी के साथ अपने विजन पर सीधे चर्चा करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही, श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर निर्माण के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। पोर्टल पर सुझाव दर्ज करते ही छात्रों को तुरंत डिजिटल प्रमाण पत्र भी मिल रहा है। अभियान के संयोजक डॉ. राहुल अग्रवाल के अनुसार, इस पहल का मुख्य ध्येय नई पीढ़ी की सोच को राज्य के नीति-निर्माण का हिस्सा बनाना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं इस अनूठे अभियान की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, आगामी 27 अगस्त को रुद्रपुर में मुख्यमंत्री इन युवा विद्यार्थियों के साथ उनके द्वारा भेजे गए सुझावों पर सीधा वैचारिक मंथन कर सकते हैं, जिससे उत्तराखंड के स्वर्णिम भविष्य की मजबूत नींव रखी जाएगी।

ताकि हरदम रहे चेहरे पर ग्लो

परदे पर दिखने वाली सभी अभिनेत्रियां सुंदर और ग्लैमरस नजर आती हैं। उनके चेहरे पर गजब का ग्लो देखकर आपका भी मन करता होगा कि काश! आपका चेहरा भी इसी तरह ग्लो करे। लेकिन इसमें उदास होने वाली कोई बात नहीं है, आपका चेहरा भी चमकदार, चिकना और आकर्षक दिख सकता है। इसके लिए आपको अपनाने होंगे कुछ खास तरीके।

रूपहले परदे पर साठ के दशक की कोई अभिनेत्री हो या सत्तर के दशक की या फिर नए दौर की-हर किसी का चेहरा ग्लो करता है। यह मेकअप का चमत्कार है। आप भी ऐसा ग्लो पा सकती हैं। अगर यह जान जाएं कि इसके लिए कौन से प्रोडक्ट हैं और किस तरह उनका इस्तेमाल किया जाता है।

कमाल मेकअप का

आजकल सबसे अधिक फोकस होंठों पर किया जा रहा है। होंठों पर कुदरती चमक उनके आकर्षण को दोगुना कर देती है। विद्या टिकारी कहती हैं कि चेहरे और त्वचा पर चमक लाने के लिए भी अलग-अलग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, यह कमाल है अंडर मेक-अप का। इसे मेकअप बेस लगाने से पहले चेहरे पर लगाते हैं। इसके दो लाभ होते हैं। एक तो इसे लगाने के बाद बेस को ब्लेंड करना आसान होता है। दूसरे इसे लगाने से चेहरा जबर्दस्त ग्लो करता है। यह ज्यादातर सिलिकॉन बेस्ड होते हैं। यह एक प्रकार के इंस्टेंट फेस बूस्टर होते हैं। इसे लगाने से चेहरे के दोष भी आसानी से छिप जाते हैं और चमक के कारण चेहरा साफ-सुथरा नजर आता है।

यह सिलिकॉन प्राइमर्स बडे या खुले छिद्र, एक्ने के दाग, बारीक लकीरों और झुर्रियों को अस्थाई रूप से छिपाने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें प्रयोग

ऐसा नहीं कि यह प्रोडक्ट्स सिर्फ स्टार्स ही इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बाजार में उपलब्ध हैं। बस आपको इनके इस्तेमाल का सही तरीका मालूम होना चाहिए। स्किन इलुमिनेटर्स जैसे प्रोडक्ट्स त्वचा पर चमक लाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। यह पर्लराइज्ड शिमर क्रीम होती हैं, जो रोशनी को चेहरे पर रिफ्लेक्ट करती हैं जिससे चेहरा चमकदार और आकर्षक नजर आता है। कोरि वालिया कहते हैं कि स्टार्स का मेकअप करते समय मैं पहले प्राइमर का इस्तेमाल करता हूं। उसके बाद लोशन में थोडा सा पर्ल एसेंस मिलाकर ब्लेंड करता हूं या फिर इसे फाउंडेशन में मिलाकर चेहरे पर ब्लेंड करता हूं, जिससे चेहरा फ्रेश लुक देता है। बाजार में अलग-अलग कंपनी के स्पार्कल पाउडर उपलब्ध हैं। इनमें मैटैलिक पाउडर मिला होता है, जिससे चमक आती है। लेकिन इनका इस्तेमाल चेहरे के उभार वाले हिस्से पर ही किया जा सकता है जैसे चीकबोंस, आईब्रो के नीचे यानी ब्रो बोन पर और माथे के बीचोबीच। अगर आपके चेहरे पर बडे छिद्र या लकीरें है तो इसका इस्तेमाल न करें। इससे चेहरे के दोष और भी गहरे नजर आएंगे। चेहरे पर अधिक चमक लाने के लिए मेकअप बेस के ऊपर पाउडर ब्रश से लम्बे प्योर रेडिएंस ब्लशर गाल व माथे पर लगाएं। या फिर जेल ब्लश लगाएं।

होंठों के लिए

आपने अकसर जूसी लिप लुक का नाम सुना होगा। पर यह है क्या यह आप नहीं जानती होंगी। यानी होंठों का ऐसा मेकअप जो एकदम ताजे फल जैसा एहसास दे जो कुदरती चमक के साथ रसीला भी होता है। इसके लिए अपने होंठों पर सिन्नामन ऑयल। इसके अलावा होंठों पर चुकंदर का रस लगाकर सुखा लें। फिर ग्लिसरीन लगाएं। यह होंठों को कुदरती लाल बना देगा। अगर आप लिपस्टिक का प्रयोग करती हैं तो उसके ऊपर लिप क्रोम लगाने से होठों पर चमक आ जाएगी। होंठों को वेट लुक देने के लिए, ताकि वे अधिक चमकदार नजर आएं, आप एस्टी लॉडर प्योर कलर क्रिस्टल ग्लॉस लगा सकती हैं।

महत्वपूर्ण टिप्स

- अगर आंखों के आसपास, गाल या ठोढी की सूजन से तत्काल छुटकारा पानी चाहती हैं तो एक छोटे चम्मच बर्फके पानी में कुछ देर डालकर प्रभावित हिस्से पर रखकर हलका दबाएं। थोडी देर में धीरे-धीरे सूजन कम हो जाएगी।
- अंडर-आई कवरेज के लिए ब्ल्यू बेस्ड कंसीलर चुनें। जो लाइट को रिफ्लेक्ट करेगा और आंखें चमकदार नजर आएंगी। आंखों के नीचे अधिक गहरे काले घेरे हों तो येलो या ऑरेंज-बेस्ड कंसीलर लगाएं।
- चेहरे पर सन-किस्ड ग्लो लाने के लिए पिंकी ब्राउन पाउडर्ड फेस ब्रॉन्जर का प्रयोग करें। ऑरेंज टोन वाला ब्रॉन्जर न चुनें।
- अमूमन स्त्रियां मेकअप करने पर मस्कारा नहीं लगातीं। जबकि इसके बिना मेकअप अधूरा होता है। मस्कारा लगाने से आंखों में चमक और आकर्षण आ जाता है। साथ ही आईब्रो को आईब्रो ब्रश से संवारना भी जरूरी है। अगर समय की कमी है तो मेकअप बेस के बाद रोल-ऑन शिमर पाउडर लगा सकती हैं।

ध्यान दें

चेहरे पर ग्लो लाने के लिए आप जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करने जा रही हैं उसके लेबल को अच्छी तरह पढ लें। अगर उसमें मेटैलिक लिखा हो तो उससे बचें। अगर उस पर फाउंडेशन है तो वह आपके चेहरे को रूखा कर देगा। कैटरीना का लुक पाने के लिए आपके प्रोडक्ट में मेकअप क्रीम या सूफ्ले का लेबल लगा होना चाहिए। जिसमें बटरी क्रीम होती है जो आपके चेहरे को स्वाभाविक नमी भी देगी और लाइट ग्लो भी। जैसे अभिनेत्री कैटरीना के चेहरे पर नैचरल ग्लो रहता है।

स्ट्रॉबेरी चीज केक

सामग्री : 11/2 कप मारी बिस्किट का चूरा, 11/2 टेबल स्पून लो फैट बटर या न्यूट्रालाइट, 250 ग्राम स्ट्रॉबेरी, 1/2 कप ताजा छेना (पनीर), 3/4 कप लो फैट योगर्ट (दही), 3 टी स्पून जेलेटिन, 2 अंडों की सफेदी, 5-6 चम्मच या स्वादानुसार शुगर फ्री नैचुरा।

विधि : पिघले हुए मक्खन में बिस्किट का चूरा मिलाएं। फिर इसे एक 20 सेमी. (8 इंच) गोल पाई डिश पर डालकर दबाएं। फर्म करने के लिए फ्रिज में रखें। स्ट्रॉबेरी को धोकर छील लें। थोडी स्ट्रॉबेरी बचा लें और शेष की एकसार प्यूरी बना लें। पनीर, दही और शुगर फ्री नैचुरा डालकर अच्छी तरह ब्लेंड करें। अब चार टेबल स्पून पानी में जेलेटिन को फूलने तक भिगोएं। एक पैन में पानी गर्म करके जेलेटिन को पिघलाएं या फिर माइक्रोवेव में पिघला लें। अब इसे स्ट्रॉबेरी मिश्रण में मिलाएं। अंडे के सफेद भाग को अलग से फेंट लें और स्ट्रॉबेरी मिश्रण में मिलाएं और बिस्किट बेस पर डालें। फिर सेट होने के लिए फ्रिज में रखें। फेंटे हुए गाढे दही या लो फैट क्रीम और कटी हुई स्ट्रॉबेरी से सजाकर सर्व करें।

मेकअप के लिए आसान टिप्स

- तीन-चार बाम और दस-बारह देसी गुलाब की पत्तियां पीसकर, एक चम्मच मलाई मिलाकर चेहरे पर लगाने से झुरियां और त्वचा के धब्बे दूर हो जाते हैं।
- मलाई में समुद्र फेन का बारीक पाउडर मिलाकर लगाने से मुंहासे ठीक हो जाते हैं।
- मौसंबी या संतरे के छिलकों को पीसकर, मलाई मिलाकर उबटन लगाने से त्वचा मुलायम व साफ होती है।
- एक चम्मच मलाई में एक चम्मच सेब का रस मिलाकर, फेंटकर, हल्के हाथ से चेहरे पर मलने से कुछ ही दिनों में रंग साफ होने लगता है।
- मलाई को दवाई की तरह भी उपयोग में लाया जा सकता है।

खुश रहने के उपाय

अगर आप खुश रहने की कला सीख जाएं तो आपके जीवन की आधी परेशानियां तो यूं ही हल हो जाएंगी। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है। बस, इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें :

- संतुलित और पौष्टिक आहार लें, नियमित व्यायाम करें और प्रतिदिन आठ घंटे की नींद लें। इस तरह जब आपका शरीर पूर्णत: स्वस्थ होगा तो इससे मन भी प्रसन्न रहेगा।
- जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। कभी भी अपने या दूसरों के बारे में बुरा न सोचें। हमेशा अच्छी बातें सोचें तो जीवन में सब कुछ अच्छा होगा।
- समस्याओं के बारे में चिंतित होने के बजाय उन्हें हल करने का रास्ता ढूंढें।
- अच्छा साहित्य पढने की आदत डालें। इससे आपका आत्मविश्वास बढेगा और आप अपने भीतर एक नया सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगी।
- कभी बच्चों के साथ किसी पार्क में पिकनिक मनाने जाएं या उनके साथ खेलें बच्चों का साथ आपको खुशियों से भर देगा।
- शोध से यह साबित हो चुका है कि फूलों या पालतू जानवरों का साथ इंसान को तनावमुक्त रखने में सहायक होता है। तो फिर खुश रहने के लिए अपनी सुविधा अनुसार इन दोनों में से किसी एक का साथ चुन लें।
- किसी भी असफलता से दुखी न हों बल्कि दोगुने उत्साह के साथ फिर से मंजिल की ओर चल पडें। सफलता जरूर मिलेगी।
- प्रकृति का यह नियम है कि प्यार और खुशियां बांटने से बढती हैं। सबसे हमेशा प्यार से बातें करें। फिर देखिए, खुशियां कैसे आपके घर-आंगन में खिलखिलाती हैं।

कलर्ड बालों की बेहतर देखभाल

कलर्ड बालों की देखभाल अगर सही ढंग से न की जाए तो वे कुछ समय बाद कमजोर होकर टूटने लगते हैं। उनकीसेहत के लिए कंडीशनिंग बहुत जरूरी है। साथ ही कलर्ड बालों के लिए बने शैंपू का प्रयोग करना जरूरी होता है। बालों को चमकदार और स्वस्थ बनाने के लिए आप क्या करें, जानें।

- कलर्ड बालों को टेक्सचराइजिंग कट कराने से उनका लुक बहुत अच्छा आता है और वे ज्यादा आकर्षक लगते हैं। इतना ही नहीं कलर्ड बालों की नियमित ट्रिमिंग भी करानी जरूरी होती है।
- बालों में दही का पैक लगाएं या मेथी दाना पीसकर उसका पेस्ट बालों पर तकरीबन 20-25 मिनट तक लगाएं। इससे बालों को बॉडी मिलती है और केमिकल के कारण क्षतिग्रस्त हुए बालों को पोषण भी मिलता है।
- सूर्य की तेज अल्ट्रावॉयलट किरणों के प्रभाव से बचाने के लिए सनस्क्रीनयुक्त कंडीशनर या सीरम हफ्ते में एक-दो बार जरूर लगाएं। सीरम या कंडीशनर बालों की जड में नहीं बल्कि उनके सिरों पर लगाएं। हलका मसाज करते हुए पांच मिनट बाद बालों को साफ पानी से धो लें।
- हरी सब्जियों के छिलके पानी में उबालकर उस पानी से बालों को धोने से वे मजबूत और रेशमी मुलायम होते हैं।
- आलू के छिलके को सुखाकर रख लें। जब बाल धोने हों तो उससे पहले आलू के छिलकों को उबाल कर छान लें। जब पानी ठंडा हो जाए तब शैंपू करने के बाद उससे बाल धोने से बाल सिल्की, चमकीले और मुलायम होते हैं। यह कंडीशनर का भी काम करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 3986

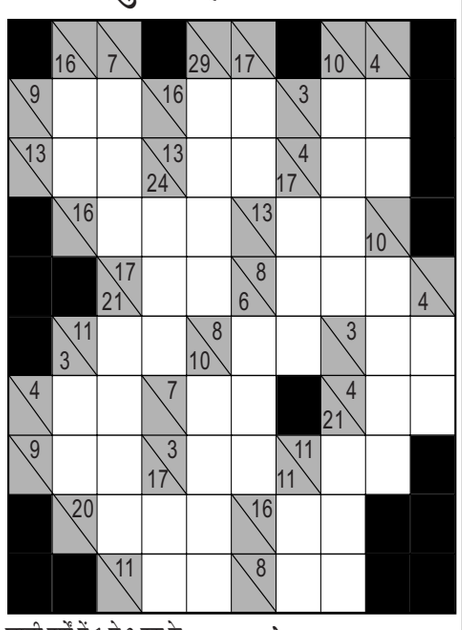

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

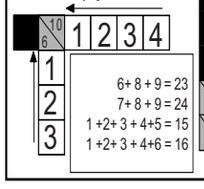

काकुरो -3985 का हल

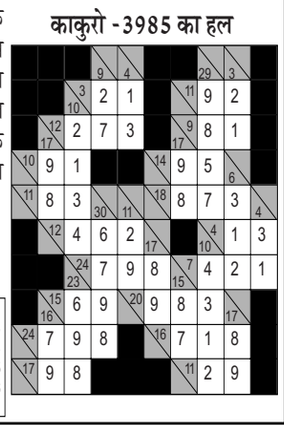

हंसी के फव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3986

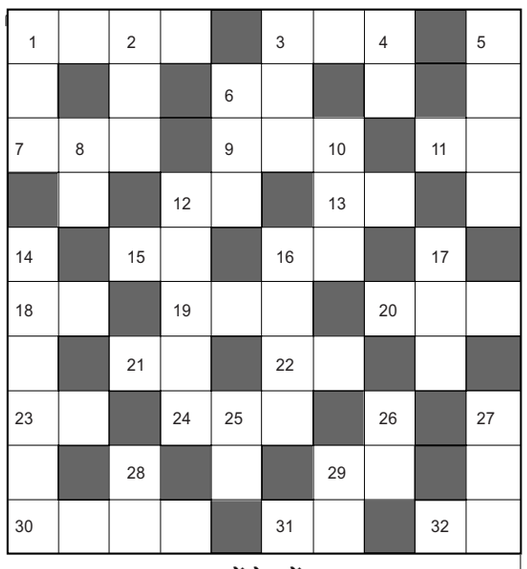

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3985

मु	सा	फि	र	■	प्या	र	ही	प्या	र
क्ति	■	जा	न	म	■	फ्ता	■	सी	■
■	प	■	■	ज	ह	र	■	शा	न
प्र	ति	ज्ञा	■	बू	म	■	उ	म	र
■	ता	■	स	र	■	फू	ल	■	सि
सा	■	खौ	फ	■	न	■	झ	■	म्हा
व	क्त	■	र	■	म	हा	न	ता	■
न	■	दी	■	नौ	क	र	■	ल	की
भा	ग्य	वा	न	■	■	जी	त	■	म
दो	■	ना	■	स	पू	त	■	भू	त

सूडोकु -3986

8	2	5		6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3985 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3986

बाएँ से दाएँ

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3985 का हल

क	ल	र	व	■	■	■	मु	का	ब	ला
मी	■	■	त	म	त	मा	ना	■	■	ज
श	व	■	न	या	■	न	दी	■	जी	वा
न	र	क	■	न	म	क	■	ख	रा	ब
■	दा	म	न	■	जा	■	न	फा	■	■
■	न	■	ख	त	■	म	न	■	म	■
■	■	सा	रा	■	आ	■	द	म	न	■
अ	ना	र	■	र	स	म	■	त	ह	री
मा	ता	■	ल	क	■	सो	त	■	र	त
न	■	■	च	म	क	दा	र	■	■	स
त	क	दी	र	■	■	■	ल	ल	का	र

मालामाल वीकली 2 में महेश मांजरेकर की एंट्री?

'मालामाल वीकली 2' को लेकर इन दिनों काफी हलचल है। फिल्म की स्टारकास्ट लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसी बीच चर्चा शुरू हुई की फिल्म की कास्ट से अभिनेता महेश मांजरेकर भी जुड़ चुके हैं।

महेश के लिए खास किरदार, मेकर्स को भी पसंद आया

सूत्रों की माने तो इस फिल्म में महेश के लिए एक मजेदार किरदार है। मेकर्स को लगा कि इस रोल के लिए वह बिल्कुल सही रहेंगे। उन्हें भरोसा है कि महेश इस किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे और उनकी परफॉर्मेंस दर्शकों को पसंद आएगी। इस सीक्वल का ऑफर पाकर महेश भी खुश थे। उन्होंने हामी भी भर दी।

मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहता

इस बारे में जब महेश से बात की तो उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं इस चीज का हिस्सा हो सकता हूं, या शायद नहीं भी...। सच कहूं तो मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता।' वहीं 'मालामाल वीकली' के पहले पार्ट के बारे में पूछने पर महेश ने कहा, 'जी हां, मैंने वो देखी है और मुझे वो बहुत अच्छी फिल्म लगी। वह एक मजेदार फिल्म थी। खेर, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता।'

रितेश से एल्विश तक, ये सितारे आएंगे नजर

बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

2006 में आई थी 'मालामाल वीकली'

'मालामाल वीकली' 2006 में रिलीज हुई थी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे। गांव, लॉटरी और पैसों के लालच के इर्द-गिर्द घूमती इस कहानी ने अपनी देसी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। फिल्म आज भी अपनी कॉमेडी और यादगार किरदारों के लिए जानी जाती है।

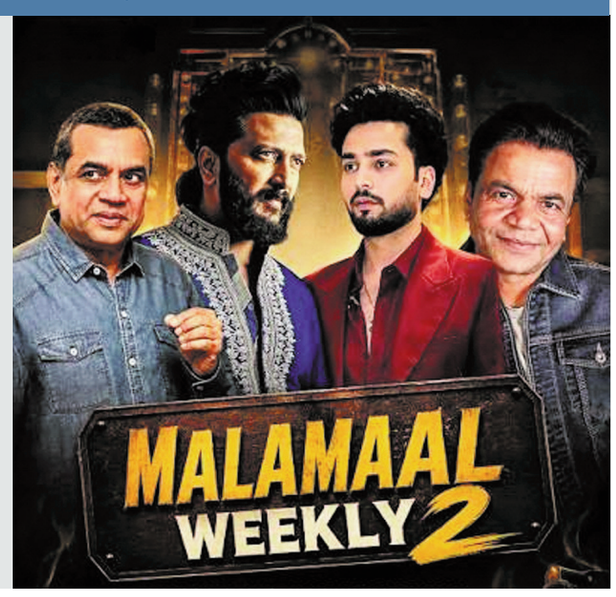

ईशा कोप्पिकर ने ट्रोलर्स को लताड़ा

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

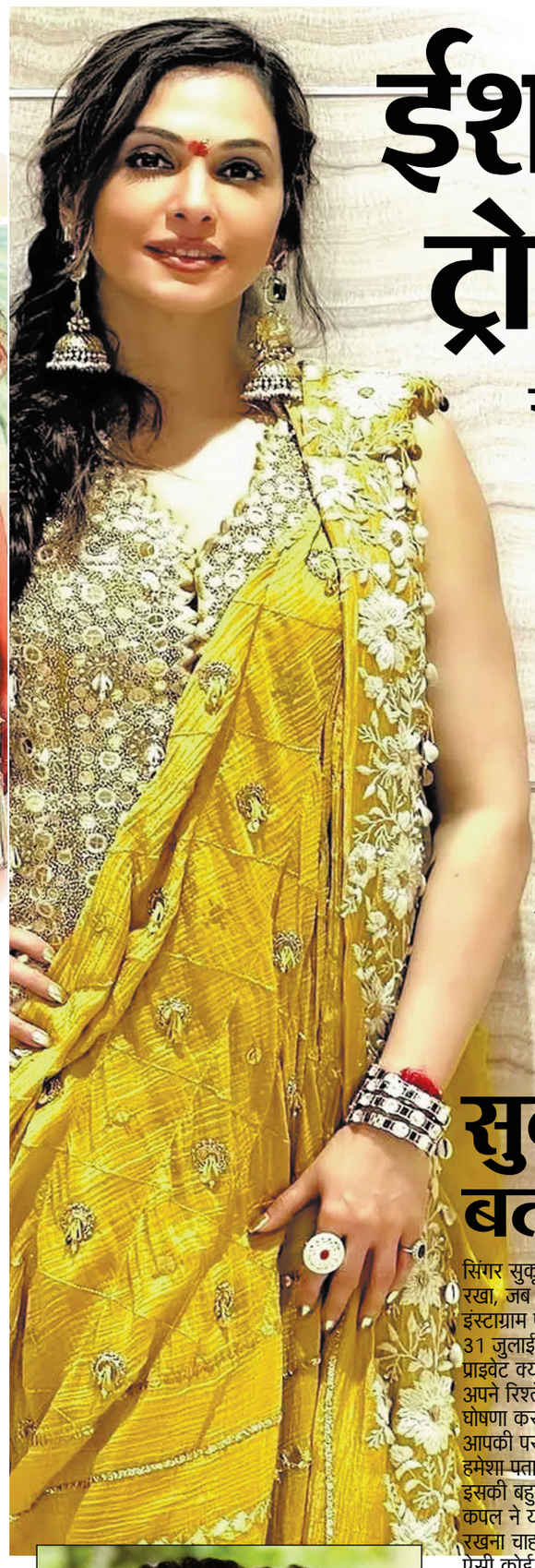

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने खुद पर 'अंधभक्त' होने के इल्जामों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना अंधभक्ति है तो उन्हें इस टैग पर गर्व है। जानें क्या बोली ईशा? अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कहा कि वह भारत से प्यार करती हैं। इसके साथ ही वह किसी राजनैतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। ईशा ने कहा – अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे अंधभक्त कहिए। मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है। इंसान जहां रहता है वह उसी जगह से प्यार और उसका सम्मान करना चाहिए। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें इसी तरह सोचना चाहिए।

एक्ट्रेस ने कहा सोच बदलना चाहिए

ईशा ने आगे अपने वीडियो में कहा, 'दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'

कैप्शन में ट्रोलर्स को जवाब दिया

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में भी लिखा, 'अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं। मेरे लिए मेरा देश सबसे ऊपर रहेगा।

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

क्या अनुराग कश्यप करेंगे तीसरी शादी

अनुराग कश्यप ने साल 1997 में आरती बजाज से शादी की थी, 2009 में इनका तलाक हो गया। फिर निर्देशक ने साल 2011 में अभिनेत्री कल्कि केलकां से शादी की लेकिन साल 2015 में इनका भी तलाक हो गया। अब अनुराग एक शुभ्रा शेट्टी नाम की लड़की के साथ रिलेशनशिप में हैं। क्या वह शुभ्रा से तीसरी शादी करेंगे? जानिए, अनुराग ने क्या इस बारे में क्या प्रतिक्रिया दी।

शादी के सवाल पर क्या था अनुराग का जवाब?

हाल ही में जेनिस सिकेरा के यूट्यूब चैनल पर अनुराग ने अपनी जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। वह इस बातचीत में अपने शादी के प्लान के बारे में कहते हैं, 'शुभ्रा शादी में यकीन नहीं रखती हैं। मैं भी उनके साथ बहुत खुश हूं। मैं उनके साथ रहना चाहता हूं। इसके लिए जो भी करना पड़े करूंगा। जिंदगी में बहुत कुछ है। एक बूढ़े आदमी की क्या इनसिक्योरिटी हो सकती है? मैं बस इतना सेहतमंद रहना चाहता हूं कि जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, उनसे ज्यादा समय तक जिंदा रहूं।'

एक वक्त शुभ्रा को खुद से दूर करना चाहते थे अनुराग

अनुराग, शुभ्रा के बारे में भी बताते हैं। वह कहते हैं, 'हमने कई पल साथ बिताए हैं। हम कभी-कभी झिझक महसूस करते थे। मैं ज्यादा झिझकता था और सिर्फ ज्यादा झिझकता ही नहीं था, एक समय तो मैं इतना ज्यादा झिझकने लगा था कि शुभ्रा को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहा था। अनुराग आगे कहते हैं, 'उनके चेहरे से उनकी उम्र का पता नहीं चलता। वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। वह अपनी उम्र की नहीं लगती हैं। तो बात यह है कि जैसे-जैसे मैं बूढ़ा होता गया और वह वैसी ही दिखती रहीं, तब मुझे थोड़ी झिझक होने लगी।' बता दें कि अनुराग कश्यप 53 साल के हैं, जबकि शुभ्रा 32 या 33 साल की हैं।

कौन है शुभ्रा शेट्टी?

शुभ्रा शेट्टी की बात करें तो वह अनुराग कश्यप की प्रोडक्शन कंपनी फैंटम फिल्म्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं। अनुराग को पहली बार 2015 में शुभ्रा के साथ देखा गया था। 2018 के एक इंटरव्यू में ही अनुराग ने पहली बार माना था कि वह शुभ्रा के साथ रिलेशनशिप में हैं।

अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी

अभिनेत्री डोनल बिष्ट अपने नए इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बिग बॉस 15 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। वह घर में ज्यादा समय तक नहीं रह पाईं।

बातचीत के दौरान डोनल ने कहा कि वह बिग बॉस के लिए नहीं बनी थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी शो में वापस जाने का फैसला करेंगी, तो डोनल ने कहा कि सलमान खान उन्हें ऐसा करने नहीं देंगे। बातचीत में डोनल बिष्ट ने कहा, 'उस समय, जब मैं बाहर हुई तो बहुत से लोगों ने मुझ पर प्यार बरसाया।' उन्होंने आगे कहा 'वह प्लेटफॉर्म परखता है कि आप कितने स्मार्ट और चालाक हो सकते हैं।' वह आगे कहती हैं 'अगर आप असल जिंदगी में ऐसी चीजें नहीं जानते हैं, तो आप कुछ एक्स्ट्रा क्यों करेंगे?' अभिनेत्री ने बताया 'बिग बॉस हाउस का माहौल मुझे तब सूट नहीं किया।' डोनल बिष्ट ने यह भी बताया कि एक इंसान के तौर पर वह बिग बॉस के बाद बदल गई हैं। उन्होंने कहा, 'बिग बॉस के बाद, मैं देख पाई कि दुनिया कैसी है। मैं यह समझने लगी कि कौन दोमुंहा है और कौन मुझे नीचे खींचने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोगों ने मुझे गुमराह किया, जिसकी वजह से मैंने कई प्रोजेक्ट्स खो दिए। मैंने हमेशा अपने आस-पास सही लोगों को रखने की कोशिश की।'

सलमान के साथ खड़ी होना चाहती हैं डोनल

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी दोबारा बिग बॉस में जाने में कोई दिलचस्पी है? इस पर डोनल बिष्ट ने कहा 'सलमान सर मुझे बिग बॉस करने नहीं देंगे। उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बिग बॉस के लिए नहीं बनी हूं। मैं सिर्फ काम के बारे में बात करती हूं। अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी।'

सुकृति कक्कड़ ने बताया शादी का प्लान

सिंगर सुकृति कक्कड़ ने अपने पांच साल के रिश्ते को तब तक लोगों की नजरों से दूर रखा, जब तक कि वे इसे सबके सामने लाने के लिए तैयार नहीं हो गईं। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर मुंबई के एंटरप्रेन्योर शौमिक शेट्टी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। 31 जुलाई को टस्कनी में सगाई करने वाले इस कपल ने बताया कि अपने रिश्ते को प्राइवेट क्यों रखा? बातचीत में सिंगर ने कहा कि जब हम इस रिश्ते में आए, तो हमें अपने रिश्ते पर बहुत गर्व हुआ। हमने सोचा कि जब सही समय आएगा तभी इसकी घोषणा करना सही रहेगा। सुकृति कहती हैं कि जब आप रिश्ते छिपाते हैं, तो यह आपकी पर्सनैलिटी का हिस्सा बन जाता है। हमारे परिवारों और कुछ करीबी दोस्तों को हमेशा पता था। हमें इसे प्राइवेट रखना पसंद है और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। इसकी बहुत अहमियत है। मैं 'नजर' में बहुत विश्वास रखती हूं।
कपल ने यह भी बताया कि वे अपने रिश्ते और प्रोफेशनल जिंदगी को अलग-अलग रखना चाहते थे। कक्कड़ कहती हैं, 'हम अपने काम पर बहुत फोकस्ड हैं। इसलिए, ऐसी कोई भी चीज जो हमारे काम से ध्यान भटकाए, हम शुरुआत में नहीं चाहते थे। मगर अब हम इसे पूरी गरिमा के साथ सबके सामने लाना चाहते हैं।' इस कपल का कहना है कि उनके अलग-अलग व्यक्तित्व और प्रोफेशन उनके लिए फायदेमंद रहे हैं। शौमिक कहते हैं कि 'वह बहुत ही नारी-सुलभ और चुलबुली थीं और पार्टी की जान थीं। आप देख सकते थे कि हर कोई उनकी ओर चुंबक की तरह खिंचा चला आ रहा था। मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद आई।'

प्रोसित रॉय की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में लक्ष्य की एंट्री? दिखेगा अलग अवतार

'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके लक्ष्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लक्ष्य 'राख' फेम निर्देशक प्रोसित रॉय की फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म बताई जा रही है, जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी।

कब से शुरू हो सकती है शूटिंग?

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर ने 'राख' के डायरेक्टर प्रोसित रॉय को एक अनोखी साइकोलॉजिकल लव स्टोरी डायरेक्ट करने के लिए साइन किया है। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। इसी में एक नया अपडेट यह है कि फिल्म में एक्टर लक्ष्य की एंट्री हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रोसित रॉय अपनी अगली फिल्म के लिए लक्ष्य के साथ काम करने जा रहे हैं। सूत्र ने बताया, 'लक्ष्य, प्रोसित रॉय के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, जिसमें साइकोलॉजिकल ट्विस्ट है। ऐसी फिल्म पहले कभी नहीं बनी है। लक्ष्य और प्रोसित रॉय, दोनों ही इसके लिए उत्साहित हैं।

लक्ष्य का दिखेगा अलग अवतार

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोसित ने हाल ही में लक्ष्य को फिल्म की कहानी सुनाई और एक्टर को रोमांस का यह अनोखा अंदाज बहुत पसंद आया। लक्ष्य ने 'किल' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए खूब तारीफें बटोरीं। लक्ष्य अब प्रोसित रॉय की अगली फिल्म के साथ एक और अलग तरह के जॉनर को आजमाना चाहते हैं। फिल्म 'किल' में लक्ष्य जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं यह फिल्म उन्हें बिल्कुल अलग अवतार में पेश करती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।